सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 12 ● अंक 272 पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, गुरुवार 12 नवम्बर, 2026
मूल्य ₹ 3/-





हमेशा ध्यान में रखिये की आपका सफल होने का संकल्प किसी भी और संकल्प से महत्वपूर्ण है।
-अब्राहम लिंकन

सीरीज जीतने के इरादे से... 7 | बिहार में जदयू ने लगाया सियासी... 3 | 2027 चुनाव में भाजपा की... 2

भीम-मीम का मेल बीजेपी का खेल

ओवैसी-चंद्रशेखर की दोस्ती, बीजेपी के लिए बनेगी सियासी संजीवनी?

» विपक्ष के वोट बंटे तो बीजेपी की बल्ले-बल्ले लेकिन दलित-मुस्लिम एकजुट हुए तो उलटा पड़ सकता है दांव

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की सियासत में एक नई बिसात बिछ रही है। एक तरफ असदुद्दीन ओवैसी की एआईएमआईएम है और दूसरी तरफ चंद्रशेखर आजाद की आजाद समाज पार्टी। एक के साथ मुस्लिम राजनीति की पहचान है तो दूसरे के साथ दलित राजनीति में नई जगह बनाने की कोशिशें। यूपी विधानसभा चुनाव से पहले दोनों दलों ने हाथ मिलाया है तो बहुत से राजनीतिक सवाल भी हवा में तैरने लगे है कि क्या यह गठबंधन दलित मुस्लिम एकता की नई राजनीतिक जमीन तैयार करेगा या विपक्ष के वोटों का नया बंटवारा करेगा?

सबसे बड़ा सवाल यही है कि जिस सामाजिक समीकरण को समाजवादी पार्टी अपनी पीडीए राजनीति की ताकत बताती रही है उसी समीकरण के दो हिस्सों को जोड़कर ओवैसी और चंद्रशेखर अलग मोर्चा बनाने की तैयारी में हैं। ओवैसी पहले सपा और कांग्रेस के साथ गठबंधन की इच्छा जता चुके हैं। लेकिन बात नहीं बनी। अब चंद्रशेखर के साथ उनकी नई राजनीतिक साझेदारी सामने है। यहीं से बीजेपी के लिए संभावित फायदे की चर्चा शुरू हो गयी है। चुनाव में मुकाबला जब सीधा हो और विपक्षी वोट एकजुट हों तो सत्तारूढ़ दल के सामने चुनौती बढ़ती है। लेकिन अगर उसी विपक्षी सामाजिक आधार में अलग-अलग राजनीतिक दावेदार खड़े हो जाएं तो मुकाबले का गणित बदल सकता है। यही वजह है कि इस गठबंधन को लेकर सपा-कांग्रेस के खेमे में सवाल उठना स्वाभाविक है। मगर तस्वीर का दूसरा पहलू भी है। क्या ओवैसी और चंद्रशेखर के साथ आने से केवल सपा-कांग्रेस के वोट खिसकेंगे? क्या वह ऐसे मतदाताओं को भी जोड़ पाएंगे जो अब तक मतदान से दूर रहे हैं या जिन्हें मौजूदा विपक्षी राजनीति में पर्याप्त प्रतिनिधित्व नहीं दिखता? क्या दलित और मुस्लिम मतदाता किसी नए मोर्चे को अपनी स्वतंत्र राजनीतिक आवाज मानेंगे? यानी यह सिर्फ दो नेताओं की दोस्ती नहीं उत्तर प्रदेश के चुनावी समीकरण की परीक्षा है। बीजेपी को संभावित लाभ की चर्चा अपनी जगह है लेकिन असली फैसला इस बात से होगा कि नया मोर्चा कितने वोट हासिल करता है किन सीटों पर लड़ता है और किसके वोटों में कितनी हिस्सेदारी बनाता है।

संबंधित खबरें पेज 8 पर



पीडीए के सामने पीडीएम

समाजवादी पार्टी ने पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यक यानी पीडीए को अपनी चुनावी राजनीति का केंद्रीय नारा बनाया है। अखिलेश यादव की कोशिश रही है कि पिछड़े वर्गों, दलितों और मुस्लिम मतदाताओं को एक साझा राजनीतिक मंच पर लाकर बीजेपी के मुकाबले मजबूत सामाजिक गठबंधन तैयार किया जाए। अब ओवैसी और चंद्रशेखर की जोड़ी इसी सामाजिक समीकरण के भीतर अपनी अलग राजनीतिक जगह बनाने का दावा कर रही है। ओवैसी का आरोप रहा है कि मुस्लिम मतदाताओं को चुनाव के समय याद किया जाता है लेकिन सत्ता और प्रतिनिधित्व में उन्हें उनका हिस्सा नहीं मिलता। दूसरी तरफ चंद्रशेखर दलितों, वंचितों और युवाओं के अधिकारों की आवाज बनकर अपनी राजनीतिक जमीन बढ़ाना चाहते हैं। दोनों की नजर ऐसे मतदाताओं पर है जो खुद को बड़ी पार्टियों की राजनीति में उपेक्षित महसूस करते हैं। यहीं से अखिलेश यादव के सामने चुनौती खड़ी होती है। यदि मुस्लिम मतदाताओं का कोई हिस्सा ओवैसी की तरफ और युवा दलित मतदाताओं का एक हिस्सा चंद्रशेखर की तरफ खिंचता है तो पीडीए की चुनावी गणित पर असर पड़ सकता है।

पश्चिमी यूपी में होगी सबसे पहले गठबंधन की परीक्षा

पश्चिमी उत्तर प्रदेश इस गठबंधन के लिए सबसे अहम चुनावी मैदान बन सकता है। सहारनपुर, मुजफ्फरनगर, शामली, बिजनौर, मेरठ, बुलंदशहर, अमरोहा, मुरादाबाद और आसपास के इलाकों में दलित और मुस्लिम मतदाताओं की अच्छी-खासी मौजूदगी है। नगीना से लोकसभा चुनाव जीतकर चंद्रशेखर पहले ही यह संकेत दे चुके हैं कि पश्चिमी यूपी में उनकी राजनीतिक पहचान को नजरअंदाज करना आसान नहीं होगा। यहां गठबंधन की पहली कोशिश मुस्लिम मतदाताओं के बीच ओवैसी की पहचान और दलित युवाओं के बीच चंद्रशेखर की अपील को एक साथ चुनावी ताकत में बदलने की होगी। किसान राजनीति बेरोजगारी, सामाजिक प्रतिनिधित्व और स्थानीय मुद्दे भी इस समीकरण को प्रभावित करेंगे। लेकिन पश्चिमी यूपी में मुकाबला सिर्फ दो दलों का नहीं है। यहां राष्ट्रीय लोकदल, समाजवादी पार्टी, बीजेपी, बसपा और स्थानीय प्रभावशाली नेताओं की अपनी-अपनी जमीन है। जाट-मुस्लिम संबंधों की राजनीति किसान आंदोलन की विरासत और जातीय समीकरण भी नतीजों पर असर डालेंगे। गठबंधन अगर सिर्फ दो समुदायों की संख्या जोड़कर चुनाव जीतने का सपना देखेगा तो उसे जमीन की हकीकत जल्द समझ आ जाएगी।

2027 चुनाव में भाजपा की हार तय : अखिलेश यादव

» गोपालकों पर टिप्पणी को लेकर सीएम योगी पर बरसे सपा प्रमुख

» बोले- भगवान कृष्ण का अपमान अक्षम्य

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर तीखा हमला बोलते हुए उनकी कथित टिप्पणी को गोपालक समाज और भगवान श्रीकृष्ण का अपमान बताया है। सोशल मीडिया पर जारी एक लंबे-चौड़े पोस्ट में अखिलेश ने अयोध्या, वाराणसी, अहिल्याबाई होल्कर, पाल समाज और सनातन धर्म से जुड़े मुद्दों का जिक्र करते हुए मुख्यमंत्री पर निशाना साधा।

उन्होंने यह भी दावा किया कि भाजपा नेतृत्व 2024 और 2026 के चुनावी नतीजों से चिंतित है और 2027 में पीडीए की ताकत के सामने उसे पराजय का सामना करना पड़ेगा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उत्तराखंड के बारे में अखिलेश यादव के बयान पर कहा था कि पिछले दिनों मैं एक व्यक्ति का बयान सुन रहा था वह उत्तराखंडवासियों को घुसपैठिया कह रहा था। जबकि उत्तर प्रदेश के पहले मुख्यमंत्री ही उत्तराखंड के थे। मैंने कहा कि अगर उत्तराखंड की बेटी न होती तो तुम सैफई में कहीं भैंस चरा रहे होते। अब भैंस चराने वाली टिप्पणी पर अखिलेश ने सीएम को घेरा है।



उत्तर प्रदेश में लड़ाई 80-20 की नहीं, 95-05 की है

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि यूपी की जनता समाजवादी पार्टी के पक्ष में मन बना चुकी है। प्रदेश में अब लड़ाई 80-20 की नहीं है बल्कि 95-05 की है। भाजपा का पता भी नहीं चलेगा। उन्होंने कहा कि प्रदेश में जमकर भ्रष्टाचार हो रहा है। हाथरस कांड के बाद घटनाएं रुकी नहीं हैं बल्कि महिलाओं के खिलाफ एक से बढ़कर एक दर्दनाक घटनाएं हो रही हैं। सपा सरकार ने सबसे बेहतरीन पुलिस रिस्पांस सिस्टम दिया था वो भाजपा सरकार ने बर्बाद कर दिया। अखिलेश यादव बुधवार को सपा कार्यालय में मीडिया को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि सबसे शर्मनाक पक्ष तो ये है कि यूपी पुलिस से भरोसा उठ गया है। कई बार सुप्रीम कोर्ट व हाईकोर्ट टिप्पणी कर चुके हैं कि क्या यूपी पुलिस को भंग कर दिया जाए। उन्होंने कहा कि सपा नेताओं पर झूठे मुकदमें दर्ज किए जा रहे हैं। नोटबंदी के 10 साल पूरे होने पर उन्होंने कहा कि यह सरकार का अब तक का सबसे भ्रष्ट फैसला था।

बैंकों को डुबोने के लिए की गई थी नोटबंदी

अखिलेश यादव ने कहा, %हमारे यहां बैंकों को डुबाने के लिए नोटबंदी कर दी गई। दुनिया के आर्थिक इतिहास में इतना भ्रष्ट फैसला कोई नहीं होगा जो भाजपा ने लिया। सच्चाई तो यह है कि भाजपा का यह फैसला भ्रष्टाचार का महासागर साबित हुआ। नोटबंदी के समय जितने भी दिखावटी लक्ष्य रखा गया, अगर हम पीछे मुड़कर देखें तो एक भी पूरा नहीं हुआ। नोटबंदी का असर क्या हुआ? उसने धीमी जहर के रूप में काम किया। 10 साल में किसान, मजदूर, मध्यम वर्ग, पेशेवर लोग, नौकरी पेशा लोग, छोटे दुकानदार-व्यापारी... सभी उसके शिकार हुए और अभी भी वो सही से उभर नहीं पाए हैं। इसलिए नोटबंदी भाजपा की वोटबंदी का कारण बनी थी।

26 हजार स्कूल बंद हुए, हर जगह तीन नौकरियां खत्म हुईं

अखिलेश यादव ने कहा कि यूपी में 26 हजार स्कूल बंद किए गए हैं। इसके साथ ही हर स्कूल में तीन नौकरियां भी खत्म हो गई हैं। भाजपा सरकार ने निवेश के बड़े-बड़े दावे किए पर कौन सा प्रोजेक्ट जमीन पर उतरा और कितने लोगों को रोजगार मिला? प्रदेश के मंत्री विदेश घूमने गए पर निवेश जमीन पर नहीं उतरा। प्रदेश में किसानों को खाद नहीं मिल पा रही है। मुख्यमंत्री ने गोरखपुर में बेईमानी से एमएलसी चुनाव तो जीत लिया पर काशी में डुबो दिया।

पीडीए मतलब पहले दर्शन फिर आशीर्वाद

अखिलेश यादव ने 12 दिसंबर को अयोध्या जाने के सवाल पर कहा कि हम तो केदारेश्वर जाएंगे और वृंदावन भी जाएंगे। हमारे लिए पीडीए का मतलब पहले दर्शन और फिर आशीर्वाद है। उन्होंने कहा कि हमारे घर में पहले से ही शिव और रामगोपाल हैं। हम सब जगह जाएंगे।

गोपालकों को लेकर टिप्पणी पर जताई नाराजगी

अखिलेश यादव ने अपनी सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि गोपालकों को लेकर की गई कथित टिप्पणी केवल एक समाज का नहीं बल्कि भगवान श्रीकृष्ण का भी अपमान है। उन्होंने लिखा कि गोपालकों को अपशब्द कहकर प्रकारांतर में गोपाल अर्थात भगवान श्रीकृष्ण का अपमान किया गया है, जो अक्षम्य है।

किसी राजनीतिक दल या संगठन से कोई संबंध नहीं : अन्ना हजारे

» सोनिया गांधी की किताब में अपना जिक्र होने पर हजारे की प्रतिक्रिया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। सोनिया गांधी की किताब के आने बाद से इंडिया अगेंस्ट करप्शन आंदोलन को लेकर किए दावों से नई बहस शुरू हो गई है। किताब में कहा गया है कि अन्ना हजारे के नेतृत्व वाला भ्रष्टाचार विरोधी आंदोलन को आरएसएस और बीजेपी के गुप्त समर्थन प्राप्त था। इस मुद्दे पर प्रतिक्रिया देते हुए अन्ना हजारे ने कहा कि उनका किसी राजनीतिक दल या संगठन से कोई संबंध नहीं है। उन्होंने यह भी सवाल उठाया कि 2014 के लोकसभा चुनाव में यूपीए सरकार की हार को उनके आंदोलन से कैसे जोड़ा जा सकता है?



महाराष्ट्र के रालेगण सिद्धि में अन्ना हजारे ने कहा कि यह कहना गलत है कि इंडिया अगेंस्ट करप्शन आंदोलन आरएसएस या बीजेपी के समर्थन से चलाया गया था। उन्होंने कहा, मेरा आरएसएस या बीजेपी से कोई संबंध नहीं है। मैं उनके कार्यक्रमों में हिस्सा नहीं लेता। मेरे लिए देश सबसे पहले है। हजारे ने यह भी कहा कि उन्होंने जो भी आंदोलन किए, वे समाज और देश के हित में किए। उनका किसी राजनीतिक दल से कोई संबंध नहीं रहा है।

अन्ना ने राजनीतिक दलों से अपनी आलोचना करने के बजाय देश और समाज के सामने मौजूद समस्याओं पर ध्यान देने की अपील की उन्होंने पेड़ का उदाहरण देते हुए कहा कि जिस पेड़ पर फल लगते हैं, लोग उसी पर पत्थर मारते हैं। अन्ना हजारे ने सवाल उठाते हुए कहा कि यह कहने का आधार क्या है कि मनमोहन सिंह के नेतृत्व वाली सरकार 2014 का लोकसभा चुनाव मेरे आंदोलन की वजह से हार गई? उन्होंने कहा कि राजनीतिक घटनाओं और चुनावी नतीजों को केवल एक आंदोलन से जोड़कर देखना उचित नहीं है।

बिहार के ब्राह्मण मुसलमानों संग रिश्ते सुधारें : पीके

बोले जनसुराज अध्यक्ष-भाजपा के साथ जुड़कर मुसलमानों को 'बेवजह' खुद से दूर कर लिया है

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। जन सुराज पार्टी के संस्थापक प्रशांत किशोर ने कहा कि बिहार के ब्राह्मणों को मुसलमानों के साथ अपने रिश्ते सुधारने की जरूरत है, क्योंकि ब्राह्मणों ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के साथ जुड़कर मुसलमानों को 'बेवजह' खुद से दूर कर लिया है। बांकीपुर के विधायक किशोर ने उत्तर बिहार के दरभंगा जिले के महिनाम गांव में कुछ दिन पहले दिए गए अपने बयान पर कायम रहते हुए यह बात कही।

पत्रकारों ने जब किशोर से राज्य के शिक्षा मंत्री एवं भाजपा नेता मिथिलेश तिवारी के आरोप के बारे में पूछा कि पुराने सामाजिक गठजोड़ को फिर से स्थापित करने की उनकी वकालत साबित करती है कि वह कांग्रेस की 'बी टीम' हैं, तो उन्होंने यह जवाब दिया। देश के प्रमुख राजनीतिक दलों के साथ चुनावी रणनीतिकार के रूप में काम कर चुके किशोर ने कहा, ''मिथिलेश तिवारी शायद खुद को जरूरत से ज्यादा चतुर समझते हैं। मैंने उन लोगों



के साथ अपनी समझ साझा की थी, जो इस बात को लेकर चिंतित थे कि ब्राह्मणों का राजनीतिक प्रभाव कम हो रहा है।'' खुद ब्राह्मण समुदाय से संबंध रखने वाले किशोर ने कहा कि समुदाय के लोगों को उन्होंने बताया था कि राजनीतिक प्रभाव में कथित कमी के बावजूद वे लोकसभा और विधानसभा में अपनी ही जाति के प्रतिनिधियों को चुनते रहे हैं। उन्होंने कहा, ''मैंने इस तथ्य की ओर ध्यान दिलाया था कि कुछ समय पहले तक ब्राह्मणों और मुसलमानों के बीच एक तरह का सामाजिक गठजोड़ हुआ करता था। लेकिन हाल के दिनों में ब्राह्मण भाजपा के साथ चले गए हैं और सोशल मीडिया पर अल्पसंख्यक समुदाय के खिलाफ अपशब्दों का इस्तेमाल करने लगे हैं। ऐसा तब है, जब मुसलमान उनके विरोधी नहीं हैं और न ही वे आरक्षण व्यवस्था का लाभ उठाते हैं, जो ब्राह्मणों की नाराजगी का एक कारण रही है। किशोर ने कहा, मैंने ब्राह्मणों से न केवल मुसलमानों, बल्कि अति पिछड़ा वर्ग के लोगों के साथ भी रिश्ते सुधारने और उनके बीच पुल बनाने की जरूरत पर जोर दिया। मैंने उन्हें पारंपरिक विवाह समारोहों की याद दिलाई, जिनमें पुरोहित की भूमिका नाई जितनी ही महत्वपूर्ण होती थी। वर्ष 2014 में नरेन्द्र मोदी के चुनाव अभियान का सफलतापूर्वक संचालन कर पहली बार व्यापक पहचान हासिल करने वाले किशोर ने उम्मीद जताई कि प्रधानमंत्री अपनी आगामी बिहार यात्रा के दौरान राज्य में आई भीषण बाढ़ के बारे में भी बात करेंगे।



सरकार की लापरवाही से दिल्ली गैस चैंबर बनी : देवेंद्र

» कांग्रेस का प्रदूषण को लेकर भाजपा सरकार पर निशाना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने राजधानी में बढ़ते वायु प्रदूषण को लेकर भाजपा सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रदूषण नियंत्रण के प्रति सरकार की लापरवाही और निष्क्रियता के कारण दिल्ली गैस चैंबर बन चुकी है। जहरीली हवा से लोगों का जीवन खतरे में है, लेकिन सरकार प्रभावी कदम उठाने के बजाय खोखले वादे कर रही है।

देवेंद्र यादव मास्क पहनकर लोकनायक अस्पताल (एलएनजेपी) पहुंचे और वहां भर्ती मरीजों से मुलाकात कर उनके स्वास्थ्य की जानकारी ली। उन्होंने वार्डों का दौरा करने के बाद अस्पताल प्रमुख से भी बातचीत की और सांस संबंधी बीमारियों से पीड़ित मरीजों को जल्द उपचार उपलब्ध कराने के लिए व्यवस्थाएं बढ़ाने का आग्रह किया।



देवेंद्र यादव ने दावा किया कि प्रदूषण के कारण अस्पतालों में अस्थमा और सांस की अन्य बीमारियों के मरीजों की संख्या बढ़ रही है। बेड और दवाओं की कमी के चलते मरीजों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

कृत्रिम बारिश कराने की कोई समय सीमा नहीं : सिरसा

दिल्ली में प्रदूषण कम करने के लिए कृत्रिम बारिश कराने की योजना पर सरकार ने फिलहाल कोई समय सीमा बताने से हाथ खड़े कर दिए हैं। पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने कहा है कि क्लाउड सीडिंग के ट्रायल आईआईटी कानपुर की ओर से किए जा रहे हैं और यह संस्थान के शोध का हिस्सा है। ट्रायल कब और कैसे किए जा रहे हैं, इसकी जानकारी आईआईटी कानपुर से ही ली जानी चाहिए। अध्ययन पूरा होने और सकारात्मक नतीजे मिलने के बाद ही सरकार बताएगी कि क्लाउड सीडिंग कब और किस तरह कराई जाएगी। पर्यावरण मंत्री ने बुधवार को कहा कि क्लाउड सीडिंग का अध्ययन लगातार जारी है। इसमें कई विमान इस्तेमाल किए जा रहे हैं। उन्होंने दिल्ली में विमानों की संख्या का जिक्र करते हुए कहा कि कानपुर में भी कई विमान हैं। हालांकि, उन्होंने यह स्पष्ट नहीं किया कि दिल्ली में अब तक कितने ट्रायल हुए हैं और उनके क्या नतीजे सामने आए हैं। मंत्री के मुताबिक, अध्ययन पूरा होने के बाद ही कृत्रिम बारिश कराने की योजना और उसकी संभावित तारीख के बारे में जानकारी दी जाएगी। प्रदूषण के स्तर में आई गिरावट पर मंत्री ने तेज हवा को राहत की बड़ी वजह बताया। उन्होंने कहा कि आमतौर पर दिवाली के बाद दिल्ली का एक्यूआई काफी बढ़ जाता है, लेकिन इस बार तेज हवा से प्रदूषण कम हुआ है।

बिहार में जदयू ने लगाया सियासी दांव

24 नवंबर को जदयू मनाएगा सुशासन दिवस

- नीतीश कुमार ने संभाला मोर्चा
- संजय झा-उमेश कुशवाहा ने क्या कहा?
- राजद व भाकपा ने सरकार पर किया वार
- कांग्रेस व भाजपा की पैनी नजर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क



पटना। एनडीएम गठबंधन में सियासी रस्साकसी के बीच सयासी गलियारे में 24 नवंबर को कुछ खास होने जा रहा है। जदयू ने इस दिन के लिए अभी से बड़ी तैयारी शुरू कर दी है। नीतीश कुमार खुद मैदान में उतर चुके हैं और पार्टी के बड़े नेताओं ने भी मोर्चा संभाल लिया है। उधर जदयू पर भाजपा समेत पूरे विपक्ष की नजर है। बिहार में 24 नवंबर को आयोजित होने वाले 'सुशासन दिवस-नीतीश संवाद' कार्यक्रम को लेकर जनता दल यूनाइटेड (जदयू) ने तैयारियां तेज कर दी हैं।

वहीं कांग्रेस व भाजपा की पैनी नजर हैं। सोमवार को कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर पार्टी के जिला कार्यक्रम प्रभारियों, जिलाध्यक्षों और विभिन्न प्रकोष्ठों के अध्यक्षों के साथ वर्चुअल बैठक हुई। इसमें पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार भी शामिल हुए। उन्होंने तैयारियों की जानकारी ली और कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए पदाधिकारियों को जरूरी निर्देश दिए। बैठक में जदयू के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष संजय कुमार झा ने नीतीश कुमार के 20 वर्षों के कार्यकाल की तारीफ करते हुए कहा कि उन्होंने 20 साल में वह काम कर दिखाया, जो पिछले एक हजार वर्षों में नहीं हुआ।

उमेश कुशवाहा बोले- कोई घर विकास कार्यों से अछूता नहीं

जदयू के प्रदेश अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा ने कहा कि 24 नवंबर की तारीख बिहार के लिए ऐतिहासिक महत्व रखती है। इसी दिन वर्ष 2005 में नीतीश कुमार ने बिहार की बागडोर संभाली थी। उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार ने बिहार को जंगलराज और कुशासन से बाहर निकालकर विकास और सुशासन की नई दिशा देने का काम किया। उमेश कुशवाहा ने दावा किया कि बीते 20 वर्षों में समाज के हर तबके और वर्ग तक विकास की रोशनी पहुंची है। बिहार का कोई गांव, कस्बा, टोला या घर ऐसा नहीं है, जो नीतीश कुमार के विकास कार्यों से अछूता रहा हो। उन्होंने कार्यकर्ताओं से सरकारी योजनाओं के लाभार्थियों तक पहुंचने, उनके अनुभव साझा करने और उन्हें 24 नवंबर के कार्यक्रम में आमंत्रित करने की अपील की। बैठक में बिहार सरकार की मंत्री और प्रदेश कार्यक्रम संयोजक लेशी सिंह, विधान परिषद में सत्तारूढ़ दल के उपनेता ललन कुमार सर्राफ, मुख्य सचेतक संजय कुमार सिंह उर्फ गांधी सहित पार्टी के कई वरिष्ठ नेता मौजूद रहे।



धर्मेंद्र प्रधान ने बिहार में विपक्ष पर किया वार

राजधानी पटना में सोमवार को भाजपा के वरिष्ठ नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने विपक्ष पर बिना नाम लिए निशाना साधा। उन्होंने कहा कि देश की तरक्की से निराश लोग अस्थिरता और अराजकता फैलाकर विकास की रफ्तार रोकना चाहते हैं। ऐसे लोगों को दिमागी नक्सली कहना गलत नहीं होगा। प्रधान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के छत्तीसगढ़ के बस्तर दौरे और सुरक्षा बलों को संबोधित करने से जुड़े सवालों का जवाब दे रहे थे। धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश लगातार सुरक्षित और समृद्ध हो रहा है। देश की प्रगति से जिन लोगों को परेशानी हो रही है, उन्हें दिमागी नक्सली कहा जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने दीपावली के दिन बस्तर में अर्धसैनिक बलों के जवानों के बीच समय बिताया और उनके साथ देश की स्थिति पर अपने विचार साझा किए। देश के लोगों को भी ऐसे तत्वों से सतर्क रहने की जरूरत है, जो अस्थिरता और अराजकता के जरिए देश की विकास यात्रा को रोकना चाहते हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 21 नवंबर को जाएंगे बिहार



प्रधान ने बिहार के लोगों को छठ महापर्व की शुभकामनाएं भी दीं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 21 नवंबर को वैशाली के दौरे पर आने वाले हैं। उनके इस दौरे से राज्य में विकास की रफ्तार को और गति मिलेगी। गौरतलब है कि प्रधानमंत्री ने स्वतंत्रता दिवस के भाषण में पहली बार दिमागी नक्सली शब्द का इस्तेमाल किया था। इसके बाद विपक्षी नेताओं ने इस टिप्पणी पर आपत्ति जताई थी।

एनकाउंटर पर भाकपा-माले ने उठाए सवाल

पटना के मनेर थाना क्षेत्र के शेरपुर में पुलिस मुठभेड़ में तीन लोगों की मौत का मामला अब तूल पकड़ने लगा है। राजद, भाकपा-माले ने पुलिस की मुठभेड़ की कहानी पर गंभीर सवाल उठाते हुए इसे फर्जी मुठभेड़ करार दिया है। पार्टी की पांच सदस्यीय जांच टीम ने घटनास्थल और मृतकों के घरों का दौरा करने के बाद न्यायिक जांच की मांग की है। टीम का दावा है कि घटनास्थल पर मुठभेड़ के कोई विश्वसनीय साक्ष्य नहीं मिले हैं। साथ ही तीनों मृतकों के शरीर पर करीब 30 गोलियां लगने और पुलिस के बयानों में विरोधाभास होने का आरोप लगाया गया है। भाकपा-माले की जांच टीम ने आठ नवंबर को मृतकों के परिजनों, स्थानीय ग्रामीणों और घटनास्थल पर मौजूद लोगों से बातचीत की। इस दौरान टीम दानापुर के कृषि फार्म स्थित बबलू यादव के घर पहुंची। इसके बाद ताराचक में जेपी यादव के परिजनों से मुलाकात की। परिजनों के अनुसार, जेपी यादव झारखंड के रामगढ़ में अपनी बहन के यहां रह रहे थे। एक पुराने मुकदमे में जमानत लेने के लिए उन्हें दानापुर कोर्ट आना था। इसके लिए वह 5 नवंबर को बस से घर के लिए निकले थे।

प्रधान ने नीतीश कुमार से की मुलाकात



पटना में धर्मेंद्र प्रधान ने जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से भी मुलाकात की। वह नीतीश कुमार के आवास पहुंचे थे। बताया जा रहा है कि इस दौरान उन्होंने अपनी बेटी की शादी का निमंत्रण भी नीतीश कुमार को दिया। पूर्व केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान आज पटना पहुंचे हैं पटना एयरपोर्ट पर भाजपा कई वरिष्ठ नेताओं ने उनका स्वागत किया। इसके बाद पत्रकारों से बातचीत करते हुए उन्होंने महागठबंधन पर जमकर हमला बोला। आईए जानते हैं उन्होंने क्या कहा?

संजय झा बोले- नीतीश ने 20 साल में बदल दी बिहार की तस्वीर

बैठक को संबोधित करते हुए राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष संजय कुमार झा ने कहा कि एक समय था, जब 'बिहारी' शब्द को गाली के तौर पर इस्तेमाल किया जाता था। वर्ष 2005 में नीतीश कुमार के सत्ता संभालने के बाद अपनी नीतियों और दूरदर्शी सोच से उन्होंने बिहार की तस्वीर बदलने के साथ ही बिहारियों के प्रति देश की धारणा बदलने का काम किया। उन्होंने कहा कि



नीतीश कुमार ने 20 वर्षों में वह काम किया, जो पिछले एक हजार वर्षों में नहीं हुआ था। संजय झा ने पार्टी पदाधिकारियों से कहा कि कार्यक्रम के माध्यम से नीतीश कुमार के कार्यों और उपलब्धियों को जन-जन तक पहुंचाया जाए। इसके लिए सरकारी योजनाओं के लाभार्थियों से संपर्क कर उन्हें कार्यक्रम से जोड़ने और उनके अनुभवों को वीडियो संदेश के माध्यम से साझा करने की जरूरत है। उन्होंने नालंदा विश्वविद्यालय के पुनरुद्धार और बिहार म्यूजियम जैसी परियोजनाओं को नीतीश कुमार के दूरदर्शी विजन का उदाहरण बताया।

हर पंचायत और वार्ड तक पहुंचेंगे जदयू कार्यकर्ता

जदयू की ओर से जारी कार्यक्रम के मुताबिक, 17 से 19 नवंबर तक सभी पंचायतों और वार्ड स्तर पर 'सुशासन नीतीश परिचर्चा' आयोजित की जाएगी। इसके बाद 20 से 22 नवंबर तक प्रखंड और सेक्टर स्तर पर तैयारी बैठकें होंगी। वहीं, 24 नवंबर को सभी जिलों में 'सुशासन दिवस-नीतीश संवाद' का आयोजन किया जाएगा। पार्टी का लक्ष्य इस कार्यक्रम के जरिए सरकार की योजनाओं और नीतीश कुमार के कार्यों को लोगों तक पहुंचाना है।



Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_SanjayS

जिद... सच की

विकास की वजह से क्या ऐसे ही चढ़ेगी पर्यावरण की बलि

अरुणाचल प्रदेश केशी योमी और सियांग जिलों में सियोम नदी पर प्रस्तावित 1,000 मेगावाट की नायिंग जलविद्युत परियोजना से पर्यावरण को भारी नुकसान हो सकता है। हालांकि पर्यावरण मंत्रालय की वन सलाहकार समिति द्वारा प्राथमिक मंजूरी दे दी है। राष्ट्रीय सुरक्षा और ग्रिड स्थिरता के लिहाज से बेहद अहम मानी जा रही इस परियोजना के लिए लगभग 470 हेक्टेयर वन भूमि का इस्तेमाल होगा, जिसके कारण इस अति-संवेदनशील हिमालयी क्षेत्र से एक लाख से अधिक हरे-भरे पेड़ों को काट दिया जाएगा। यह खबर औद्योगिक और ढांचागत विकास के मोर्चे पर जितनी सकारात्मक लगती है, पारिस्थितिकी और पर्यावरण संरक्षण के लिहाज से उतनी ही भयावह है। पूर्वोत्तर भारत, विशेष रूप से अरुणाचल प्रदेश, अपने सघन वर्षावनों और दुर्लभ जैव-विविधता के लिए दुनिया भर में मशहूर है। ऐसे में विकास के नाम पर एक लाख से अधिक जीवित वृक्षों की सामूहिक बलि देना कई गंभीर सवाल खड़े करता है।

क्या यह प्राकृतिक तबाही वाकई अपरिहार्य थी? क्या इस अभूतपूर्व नुकसान की भरपाई संभव है? और इस विनाश के बदले अरुणाचल प्रदेश तथा वहां के मूल निवासियों को वास्तव में क्या हासिल होने वाला है? गौरतलब है कि बिजली घर, सुरंगें और भारी मशीनरी स्थापित करने के लिए एक बहुत बड़े भूभाग की जरूरत है। इस विवाद में सबसे बुनियादी सवाल यह है कि क्या इतने बड़े पैमाने पर जंगलों को उजाड़े बिना बांध का निर्माण संभव नहीं था? जलविद्युत परियोजनाओं की तकनीकी रूपरेखा पूरी तरह से नदियों के प्रवाह और पानी के विशाल संचय पर टिकी होती है। नायिंग परियोजना के लिए विशालकाय बांधजिस क्षेत्र में यह बांध प्रस्तावित है, वह उच्च संरक्षण मूल्य वाले घने जंगलों के अंतर्गत आता है। इंजीनियरिंग और जलविज्ञान के नियमों के मुताबिक, जब बांध के जरिए नदी के पानी को रोका जाता है, तो उसके पीछे का एक बहुत बड़ा इलाका पूरी तरह से जलमग्न हो जाता है। इस डूब क्षेत्र में आने वाले सभी पेड़ों और वनस्पतियों को पहले ही काट देना तकनीकी और सुरक्षा कारणों से जरूरी माना जाता है। यदि इन पेड़ों को बिना काटे वैसे ही पानी में डूबने के लिए छोड़ दिया जाए, तो पानी के भीतर वे सड़ने लगते हैं। इस सड़न से बड़े पैमाने पर मीथेन और कार्बन डाइऑक्साइड जैसी खतरनाक ग्रीनहाउस गैसों का भारी उत्सर्जन होता है, जो पानी की गुणवत्ता को नष्ट कर पूरे जलीय पारिस्थितिकी तंत्र को तबाह कर देती हैं। यही वजह है कि जलाशय की जलधारण क्षमता बनाए रखने के लिए इन एक लाख पेड़ों को हटाना सरकारी ब्लूप्रिंट में एक व्यावहारिक विवशता बन जाता है।

“ राष्ट्रीय सुरक्षा और ग्रिड स्थिरता के लिहाज से बेहद अहम मानी जा रही इस परियोजना के लिए लगभग 470 हेक्टेयर वन भूमि का इस्तेमाल होगा, जिसके कारण इस अति-संवेदनशील हिमालयी क्षेत्र से एक लाख से अधिक हरे-भरे पेड़ों को काट दिया जाएगा।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

समावेशी शिक्षा में ही युवाओं के आक्रोश का समाधान

अविजित पाठक

फ्रांस से लेकर भारत तक-मैं युवा छात्रों की बेचैनी देख रहा हूं। मैं उनके असंतोष की धड़कनों को महसूस कर सकता हूं। मैं यह समझने की कोशिश कर रहा हूं कि वे उस 'व्यवस्था' से इतने नाराज क्यों हैं, जिसे लेकर उन्हें अंदरूनी आशंका है कि उसने अच्छी शिक्षा पाने और जीवन की आकांक्षाएं पूरी करने के उनके सपनों को चकनाचूर कर दिया है। एक तरह से, वे खुद को विरोधाभासों से भरी दुनिया में पाते हैं जहां कुछ चुनिंदा तकनीकी-कॉर्पोरेट अरबपतियों की शानदार जीवनशैली है, वहीं दूसरी ओर भयावह आर्थिक असमानता का दर्द भी है; जहां एक तरफ लोकतंत्र का केवल दिखावटी अनुष्ठान हो रहा है, वहीं दूसरी तरफ दुनिया भर में तानाशाही प्रवृत्तियों वाले शासकों का उदय हो रहा है; और सबसे बड़ी बात, तकनीक-विज्ञान के क्षेत्र में ज्ञान का जो विस्तार हो रहा है, वह अधिकांशत: जीवन पर खतरा बनने वाले जलवायु संकट को और गहरा रहा है, और साथ ही बड़े पैमाने पर विनाश करने वाली तकनीकों को जोर-शोर से उपलब्धि बताया जा रहा है।

एक शिक्षक के रूप में, यह लेखक इन विरोधाभासों पर विचार करता है और खुद से सवाल करता है कि क्या एक बेहतर समाज की नींव रखने के लिए हमें इन छात्रों के साथ चलकर यह पड़ताल नहीं करनी चाहिए कि क्या ज्ञान की मौजूदा राजनीति ने विज्ञान और मानविकी, तकनीक और नैतिकता, तथा आर्थिक विकास और सामाजिक कल्याण के बीच एक सख्त दीवार खड़ी कर दी है, और इस किस्म के संकट को और बढ़ा दिया है? हमारे छात्र नाराज हैं। लेकिन उनके विरोध की वजह केवल सहज प्रतिक्रिया या आवेश तक सीमित नहीं होनी चाहिए। इसके पीछे एक स्पष्ट विश्व-दृष्टिकोण होना चाहिए; और उनकी राजनीति शिक्षापरक होनी चाहिए। उन्हें समझना होगा कि अपनी सामूहिक मुक्ति के लिए उन्हें एक नई किस्म की शिक्षा की आवश्यकता है। उदाहरण के लिए, हमारी शिक्षा व्यवस्था को बारीकी से देखने वाला कोई भी व्यक्ति इस बात से सहमत होगा कि भारतीय छात्रों और उनके अभिभावकों के लिए, विज्ञान का महत्व मुख्य रूप से तकनीक एवं उपकरणों और उनके उपयोगी कार्यों संबंधी शिक्षा पाने तक है। आम धारणा यह है कि अगर आप विज्ञान स्ट्रीम चुनते हैं, तो आप इंजीनियर या डॉक्टर बन सकते हैं।

या फिर, यह माना जाता है कि हर नया आविष्कार विज्ञान की महिमा को दर्शाता है। हालांकि, विज्ञान के प्रति पूरी तरह से ऐसे तकनीक एवं उपकरण आधारित दृष्टिकोण के कारण, हम—



शिक्षक, अभिभावक और छात्र अक्सर यह भूल जाते हैं कि विज्ञान सोचने, कार्य करने और जीने का एक तरीका भी है। दूसरे शब्दों में, 'वैज्ञानिक दृष्टिकोण' जैसी एक चीज होती है, जो हमें इतनी बौद्धिक स्पष्टता और नैतिक साहस देती है कि हम रूढ़िवादी मान्यताओं, सदियों पुराने अंधविश्वासों और पूर्वाग्रहों पर सवाल उठा सकें। यह एक ऐसी खुली सोच विकसित करती है, जिससे हम हर धारणा को ठोस सबूतों के साथ परख सकते हैं और जरूरत पड़ने पर पुरानी धारणाओं की जगह नई धारणाएं अपना सकते हैं। यही बौद्धिक रूप से जागरूक और तर्कपूर्ण बहस है, जिसे कार्ल पॉपर ने 'धारणाओं और उनके खंडन' के निरंतर चलने वाले खेल के रूप में देखा था, वह जो एक 'खुले समाज' के विकास को बढ़ावा देता है। इसलिए, ऐसा वैज्ञानिक दृष्टिकोण रखने वाला व्यक्ति यह कहने में बिल्कुल नहीं हिचकिचाएगा कि एक स्वस्थ समाज के विकास के लिए यह बुरा है, मसलन, नव-उदारवाद का बेतहाशा लालच आर्थिक असमानता का एक चरम रूप पैदा कर देता है। या फिर, यह कह सके कि ऐसी सामाजिक व्यवस्था को सही ठहराने का कोई आधार नहीं है, जो जाति-पदानुक्रम और जन्म-आधारित पहचानों पर टिकी हो। इसी तरह कि किसी इंसान के मूल स्वरूप को केवल उसकी धार्मिक पहचान के आधार पर परिभाषित करना भी गलत है। विडंबना है कि हम अक्सर वैज्ञानिक दृष्टिकोण की इस स्वतंत्रता-प्रेमी भावना को नजरअंदाज कर देते हैं, और इसकी बजाय केवल उन तकनीकी उत्पादों को अहमियत देते हैं जो भौतिक रूप में दिखाई देते हैं जैसे कि कंप्यूटर, परमाणु बम, या कोई अत्याधुनिक डायग्नोस्टिक तकनीक। यानी, एक तकनीक विशेषज्ञ एक नए जादूगर की तरह बन जाता है।

अगर विज्ञान से उसकी 'स्वतंत्रता-प्रेमी' और 'आलोचनात्मक' भावना को निकाल दिया जाए, तो तकनीक-पूंजीपति और अति-राष्ट्रवादी लोग अपने लालच और राजनीति को साधने के लिए आसानी से विज्ञान का दुरुपयोग कर सकते हैं। नतीजा यह होता है कि हम अपनी 'आलोचनात्मक सोच' खो देते हैं और एकतरफा, नैतिक रूप से कंगाल तथा राजनीतिक रूप से रूढ़िवादी उपभोक्ता बन जाते हैं जो नव-उदारवाद और सैन्यवादी राष्ट्रवाद के गढ़े हुए मिथकों को ही सच मान बैठते हैं।

क्रिप्टो की ऐतिहासिक चोरी से उपजे सुरक्षा के सवाल

डॉ. संजय वर्मा



उनतीस अक्टूबर की रात दुनिया के सबसे बड़े क्रिप्टो एक्सचेंज बाइनेंस से लगभग 6.3 अरब डॉलर (करीब 53 हजार करोड़ रुपये) की डिजिटल संपत्ति कुछ ही मिनटों में उड़ा ली गई। यह क्रिप्टो इतिहास की सबसे बड़ी चोरी है, फरवरी 2025 में बायबिट एक्सचेंज से हुई 1.5 अरब डॉलर की चोरी से चार गुना बड़ी। कहने को तो बाइनेंस ने अपने खजाने, आपात भंडार और बीमा कोष से ग्राहकों के 90 फीसदी नुकसान की भरपाई का दावा किया है। पर यह राहत क्रिप्टो करेंसी के निवेशकों में भरोसा कायम कर पाएगी, इसमें संदेह है। साथ ही, यह घटना भारत के लिए कई सवाल छोड़ जाती है। डिजिटल इंडिया और यूपीआई जैसे अभियानों की बदौलत भारत डिजिटल लेन-देन में दुनिया के अग्रणी देशों में है। यहां लाखों लोग क्रिप्टो में पैसा लगाते हैं। इसलिए क्रिप्टो एक्सचेंज में हुई सेंधमारी एक अनिश्चित भविष्य के मद्देनजर हमारे लिए भी कई सवाल पैदा कर रही है।

अब तक जो जांच-पड़ताल हुई है, उसमें सेंधमारों के बारे में कुछ अंदाजे लगाए गए हैं। जैसे कि ब्लॉकचेन विश्लेषक कंपनियों- टीआरएम लैब्स और चेनालिसिस के मुताबिक इस सेंधमारी के पीछे उत्तर कोरिया की हैकर इकाई ट्रेडरट्रेटर का हाथ है। हैकरों का यह समूह हैकिंग के मामले में पहले से कुख्यात लाजरस समूह से जुड़ा बताया गया है। शुरुआती जानकारी के अनुसार सेंध बाइनेंस के ही एक इंजीनियर के हैक हुए लैपटॉप से लगी, और फिर महज 20 मिनट में अरबों डॉलर की क्रिप्टो सफाई से निकाल ली गई। यह साबित करता है कि लेन-देन और निवेश जितना डिजिटल होगा, कमजोर कड़ियां उतनी ही महंगी पड़ेंगी। दिलचस्प यह है कि चुराई गई क्रिप्टो को बाजार में खपाना नकदी लूट को खपाने जितना आसान नहीं। ब्लॉकचेन (क्रिप्टो निर्माण और संचालन में काम आने वाली तकनीक) में हर लेनदेन सार्वजनिक बही-खाते में दर्ज होता है। इसलिए चोर को माल तुरंत छोटे टुकड़ों में बांटना, दूसरी क्रिप्टो करेंसी में बदलना और वैध धन में मिलाना पड़ता है।

इसके लिए फर्जी पहचान से कई एक्सचेंजों पर खाते, छोटी-छोटी जमाएं और एक ब्लॉकचेन से दूसरी पर छलांग का सहारा लिया जाता है। यह हथेली पर दहकता अंगारा लेकर, खुद जले बिना, उसे ठिकाने तक पहुंचाने जैसा है। बाइनेंस मामले में भी चुराए गए बिटकॉइन हजार-हजार और सौ-सौ के टुकड़ों में बांटे गए, और डॉलर-आधारित स्टेबलकॉइन विकेंद्रीकृत एक्सचेंजों पर बाजार भाव से दस फीसदी सस्ते बेचे गए। लेकिन इस बीच कई लेन-देन नियंत्रण करने वाली उन कंपनियों के जरिए गुजरे, जो ऐसी हरकतों पर कड़ी नजर रखती हैं। जैसे कि स्टेबलकॉइन जारी करने वाली टेथर, सर्कल और रिपल जैसी कंपनियां। इन कंपनियों ने हैकिंग होने के घंटे भर के भीतर करीब 2.7 अरब डॉलर फ्रीज कर दिए। यानी जहां लेनदेन के बीच कोई जवाबदेह संस्था थी, वहां चोरी रोकी जा सकी। इसके बावजूद हमलावर के पास करीब 2.4 अरब डॉलर के ईथर और बिटकॉइन बचे हैं, जिन्हें कोई वैध या सरकारी एजेंसी नहीं रोक पाई। इसलिए सवाल है कि आखिर क्रिप्टो करेंसी के सारे लेन-देन जवाबदेह संस्थाओं और कंपनियों के जरिए संपन्न क्यों नहीं कराए जा रहे हैं। चंता इससे भी बड़ी है। संयुक्त राष्ट्र के विशेषज्ञ वर्षों से कहते रहे हैं कि क्रिप्टो चोरी उत्तर कोरिया के प्रतिबंधित हथियार कार्यक्रमों की कमाई का बड़ा जरिया है।

यानी किसी एक्सचेंज की सुरक्षा में चूक अंतत: किसी मिसाइल कार्यक्रम का ईंधन बन सकती है। पाकिस्तान जैसे अस्थिर पड़ोसी के रहते भारत के लिए यह सुरक्षा का सवाल भी है। यूं हमारे लिए यह संकट एकदम अनजाना भी नहीं। जुलाई 2024 में घरेलू एक्सचेंज वजीरएक्स से करीब 23 करोड़ डॉलर चुराए गए, और उसके तार भी लाजरस समूह से जोड़े गए। लाखों उपयोगकर्ताओं के खाते महीनों फ्रीज रहे। साथ ही, नुकसान सभी ग्राहकों में बांटने का प्रस्ताव आया और पुनर्गठन की प्रक्रिया भारत के बजाय सिंगापुर की अदालत में चली। भारतीय एक्सचेंज, भारतीय ग्राहक, भारतीय पैसा, पर इंसाफ के लिए विदेशी कानून का सहारा! जुलाई 2025 में देश के सबसे बड़े एक्सचेंज कॉइनडीसीएक्स से करीब 4.4 करोड़ डॉलर उड़ाए गए। कंपनी ने नुकसान अपने खजाने से उठाया और सरकारी एजेंसी सर्ट-इन के साथ जांच की। पर यह कंपनी की सदिच्छा थी, कोई कानूनी बाध्यता नहीं।

सबक यह कि भारत में हैकिंग के बाद निवेशक का पैसा लौटना इस पर निर्भर है कि उसका एक्सचेंज कितना अमीर और नेक है। बाइनेंस छह अरब डॉलर का घाव सह सकता है, कोई छोटा भारतीय स्टार्टअप नहीं। बाइनेंस जैसे विदेशी मंचों पर सक्रिय भारतीय निवेशकों का पैसा भी इस हादसे में अटका और बिटकॉइन छह हफ्ते के निचले स्तर पर आ गया। वैश्विक झटके की कीमत दलाल स्ट्रीट से लेकर छोटे शहरों के जेन-जी निवेशकों को चुकानी पड़ सकती है। यही वह जगह है जहां भारत की क्रिप्टो नीति के आकलन की जरूरत पड़ती है। मौजूदा स्थितियों में क्रिप्टो करेंसी के निवेशकों को प्रत्येक निवेश पर 30 प्रतिशत की दर से कर चुकाना पड़ता है। इसके अलावा हरेक लेनदेन पर एक प्रतिशत के टीडीएस यानी स्रोत पर ही टैक्स लगाने का प्रावधान है। क्रिप्टो एक्सचेंज को अपना पंजीकरण सरकार की वित्तीय खुफिया इकाई (एफआईयू) में कराना होता है। इसका उद्देश्य हवाला कारोबार रोकना है। किंतु यहां सवाल यह है कि क्या ये प्रावधान निवेशकों के पैसे की सुरक्षा में मददगार होते हैं। सच्चाई यह है कि इन तीनों उपायों के बावजूद क्रिप्टो में पैसा लगाने वाले भारतीय निवेशकों को कोई सुरक्षा हासिल नहीं होती है।



टिफिन में बच्चों को हर रोज अलग-अलग दें ये चीजें



हर सुबह बच्चों का टिफिन तैयार करना कई माता-पिता के लिए किसी चुनौती से कम नहीं होता। एक तरफ नाश्ता बनाना, दूसरी तरफ बच्चे को स्कूल के लिए तैयार करना और इसी बीच यह सोचना कि आज टिफिन में क्या रखा जाए। रोज-रोज एक ही पराठा या सैंडविच देने से बच्चे भी बोर हो जाते हैं और टिफिन वापस घर आ जाता है। ऐसे में जरूरत है ऐसे टिफिन आइडिया की, जो स्वादिष्ट होने के साथ जल्दी तैयार हो जाएं और बच्चों को पसंद भी आएं। अगर आप भी हर सुबह इसी उलझन में रहती हैं, तो पांच दिनों के लिए पहले से टिफिन प्लान तैयार करना काम को काफी आसान बना सकता है। इसके लिए आपको बहुत सारी अलग-अलग सामग्री खरीदने की भी जरूरत नहीं है। घर में आसानी से मिलने वाली कुछ चीजों से अलग-अलग तरह के टिफिन तैयार किए जा सकते हैं। पनीर, आलू, पोहा, सूजी और रोटी जैसी सामान्य चीजों से आप सोमवार से शुक्रवार तक बच्चों के लिए अलग-अलग टिफिन बना सकती हैं। इन डिश को बच्चे की उम्र, पसंद और जरूरत के अनुसार छोटा या बड़ा किया जा सकता है।

सूजी वेज चीला

सूजी से बनने वाला चीला टिफिन के लिए अच्छा विकल्प हो सकता है। सूजी में दही, पानी और बारीक कटी सब्जियां मिलाकर बैटर तैयार करें। चीले को छोटे आकार में बनाएं ताकि बच्चा उसे आसानी से खा सके। साथ में घर की बनी हल्की चटनी या दही रखा जा सकता है, अगर स्कूल में इसकी अनुमति हो। बच्चों के टिफिन में सिर्फ स्वाद ही नहीं, बल्कि वैरायटी भी जरूरी है।

आलू या पनीर पराठा

बच्चों को पराठा पसंद है तो उसे थोड़ा अलग अंदाज में टिफिन में दें। आलू या पनीर का पराठा बनाकर उसमें दही या हल्की सब्जियां डालकर रोल तैयार किया जा सकता है। रोल को फॉयल या फूड सेफ रैपिंग में ठीक से पैक करें, ताकि वह टिफिन में बिखरे नहीं। सबसे जरूरी बात, बच्चे की पसंद भी समझें। ध्यान रहे बहुत ज्यादा मसालेदार या ऐसी चीजें जो जल्दी खराब हो सकती हैं, उन्हें मौसम और स्कूल के समय को ध्यान में रखकर ही पैक करें। गर्म खाना पैक करते समय उसे जरूरत के अनुसार थोड़ा ठंडा करके फूड सेफ कंटेनर में रखना बेहतर है।





वेज पनीर रोल

हफ्ते की शुरुआत ऐसे टिफिन से करें जिसे बच्चे आसानी से हाथ में लेकर खा सकें। इसके लिए रोटी या पराठे में पनीर, बारीक कटी सब्जियां और हल्के मसाले भरकर रोल बना सकती हैं। रोल को छोटे टुकड़ों में काटकर टिफिन में रखें। साथ में कोई पसंदीदा फल भी दिया जा सकता है। सुबह समय बचाने के लिए रात में पनीर और सब्जियां काटकर फ्रिज में रख सकती हैं।

वेज पोहा

पोहा जल्दी बनने वाला और आसान नाश्ता है, जिसे टिफिन के लिए भी तैयार किया जा सकता है। इसमें गाजर, मटर, कॉर्न या बच्चे की पसंद की दूसरी सब्जियां मिलाएं। अगर बच्चा मूंगफली पसंद करता है, तो थोड़ी मूंगफली भी डाली जा सकती है। हालांकि छोटे बच्चों के लिए उनकी उम्र और खाने की क्षमता के अनुसार सामग्री चुनें।

वेज सैंडविच



हफ्ते के आखिरी दिन टिफिन को आसान रखने के लिए वेज सैंडविच बना सकती हैं। ब्रेड में खीरा, टमाटर, पनीर, कॉर्न या अन्य पसंदीदा फिलिंग रखी जा सकती है। सैंडविच को छोटे ट्राइनगल या बाइट साइज पीस में काटने से बच्चे के लिए इसे खाना आसान हो सकता है।

हंसना मना है

टीचर- कल क्यों नहीं आया? पप्पू- नहीं बताऊंगा? टीचर चांटा मारकर- जल्दी बता, पप्पू- दिवाली पर गर्लफ्रेंड के साथ था। टीचर- इतना छोटा होके भी गर्लफ्रेंड के साथ घूमता है, कौन थी वो लड़की? पप्पू- आपकी बेटी।

सुनसान सड़क पर एक आवारा लड़का लड़की को देखकर बोला- मेरे साथ चलोगी? लड़की- कहां? लड़का- जहां तुम कहो.. लड़की- अच्छा, तो पुलिस स्टेशन चलते हैं... लड़का- लो बताओ, अब बंदा अपनी बहन से मजाक भी नहीं कर सकता...

लड़की ट्रेन में एक लड़के से बोली- क्या मैं यहां बैठ सकती हूं? लड़का- हां हां, बिल्कुल, अपनी ही सीट समझो... लड़की- क्या मैं आपकी बोतल से थोड़ा पानी पी सकती हूं? लड़का- हां हां, जरूर... लड़की- अगला स्टेशन कौन-सा है भैया? लड़का- मेरे दिमाग में कोई जीपीएस नहीं लगा है.... जल्दी सीट खाली करो, मुझे नींद आ रही है..

भिखारी (शर्मा जी से)- साहब मैं अपने परिवार से बिछड़ गया हूं। मिलने के लिए 150 रुपये चाहिए। शर्मा जी (भिखारी से) - कहां है तेरा परिवार.. भिखारी- जी वो मल्टीप्लेक्स में फिल्म देख रहा है।

कहानी | गौरैया और घमंडी हाथी

एक पेड़ पर एक चिड़िया अपने पति के साथ रहा करती थी। चिड़िया सारा दिन अपने घोंसले में बैठकर अपने अंडे सेती रहती थी और उसका पति दोनों के लिए खाने का इंतजाम करता था। वो दोनों बहुत खुश थे और अंडे से बच्चों के निकलने का इंतजार कर रहे थे। एक दिन चिड़िया का पति दाने की तलाश में अपने घोंसलें से दूर गया हुआ था और तभी वहां एक हाथी मदमस्त चाल चलते हुए आया और पेड़ की शाखाओं को तोड़ने लगा। जिससे घोंसला गिर गया, जिससे उसके सारे अंडे फूट गए। चिड़िया को बहुत दुख हुआ। जब चिड़िया का पति वापस आया, तो उसने देखा कि चिड़िया बैठी रो रही है। चिड़िया ने पूरी घटना अपने पति को बताई, जिसे सुनकर उसके पति को भी बहुत दुख हुआ। उन दोनों ने घमंडी हाथी को सबक सिखाने का निर्णय लिया। वो दोनों अपने एक दोस्त कठफोड़वा के पास गए और उसे सारी बात बताई। कठफोड़वा बोला कि हाथी को सबक मिलना ही चाहिए। कठफोड़वा के दो दोस्त और थे, जिनमें से एक मधुमक्खी थी और एक मेंढक था। उन तीनों ने मिलकर हाथी को सबक सिखाने की योजना बनाई, जो चिड़िया को बहुत पसंद आई। अपनी योजना के तहत सबसे पहले मधुमक्खी ने हाथी के कान में गुनगुनाना शुरू किया। हाथी जब मधुमक्खी की मधुर आवाज में खो गया, तो कठफोड़वे ने आकर हाथी की दोनों आखें फोड़ दी। हाथी दर्द के मारे चिल्लाने लगा और तभी मेंढक अपने परिवार के साथ आया और एक दलदल के पास टर्राटराने लगा। हाथी को लगा कि यहां पास में कोई तालाब होगा। वह पानी पीना चाहता था, इसलिए दलदल में जाकर फंसा। इस तरह चिड़िया ने मधुमक्खी, कठफोड़वा और मेंढक की मदद से हाथी से बदला ले लिया।

कहानी से सीख- बच्चों, इस कहानी से हमें यह सीख मिलती है कि एकता और विवेक का उपयोग करके बड़ी से बड़ी मुसीबत को हराया जा सकता है।

7 अंतर खोजें



जानिए कैसा रहेगा कल का दिन



पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

उच्च अधिकारियों का मार्गदर्शन तरक्की दिलाएगा। व्यापारिक विस्तार के नए विचार सफल होंगे। धार्मिक गतिविधियों में परिवार का सहयोग मिलेगा।

वृषभ

कार्यस्थल पर सतर्क रहें, काम में लापरवाही न बरतें। व्यापार में बड़ा निवेश टालना ही बेहतर रहेगा। परिजनों के साथ बैठकर बातचीत से मतभेद सुलझाएं।

मिथुन

आपकी मेहनत का दफ्तर में उचित फल मिलेगा। व्यापार में साझेदारी से अच्छा लाभ हो सकता है। दांपत्य जीवन में मिठास और प्रेम बढ़ेगा। चना दाल और गुड़ का दान करें।

कर्क

काम का दबाव रह सकता है, समय का प्रबंधन करें। व्यावसायिक सौदों में लिखा-पढ़ी स्पष्ट रखें। परिजनों की सलाह आपके काम आएगी। मानसिक तनाव से बचें।

सिंह

रचनात्मकता से कार्यक्षेत्र में अलग पहचान बनेगी। व्यापार में नई योजनाओं से मुनाफा बढ़ेगा। प्रेम संबंधों में प्रगाढ़ता और मिठास आएगी।

कन्या

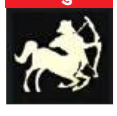
दफ्तर में परिस्थितियां आपके अनुकूल रहेंगी। भूमि या संपत्ति से जुड़े व्यापार में लाभ होगा। परिवार में सुख-शांति और आनंद रहेगा। खान-पान पर ध्यान दें।

तुला

सहकर्मियों के सहयोग से काम आसानी से होंगे। व्यापारिक यात्राएं सफल रहेंगी और लाभ दिलाएंगी। भाई-बहनों से मधुर संबंध और सहयोग मिलेगा।

वृश्चिक

दफ्तर में आपकी बात का वजन बढ़ेगा, सम्मान मिलेगा। व्यापार में धन प्राप्ति के अच्छे योग हैं। परिवार में खुशनुमा माहौल और सौहार्द रहेगा।

धनु

नई जिम्मेदारी मिलने से दफ्तर में प्रभाव बढ़ेगा। व्यापार में मनमुताबिक सफलता और लाभ मिलेगा। समाज और परिवार में मान-प्रतिष्ठा बढ़ेगी।

मकर

दफ्तर में धैर्यपूर्वक अपने काम निपटाएं। व्यापारिक सौदों में सावधानी बरतने की जरूरत है। पारिवारिक मामलों में समझदारी से काम लें। बजट बनाकर चलें।

कुम्भ

कार्यक्षेत्र में आपकी योजनाएं सफल सिद्ध होंगी। व्यापार में नए संपर्कों से लाभ संभव है। मित्रों के साथ अच्छा समय बिताने को मिलेगा। गुरुजनों या बुजुर्गों का आशीर्वाद लें।

मीन

दफ्तर में आपके काम की वरिष्ठ सराहना करेंगे। व्यापारिक गतिविधियों में बड़ा मुनाफा होगा। पारिवारिक माहौल सुखद और शांतिपूर्ण रहेगा।

रामायण में सीता के तलवार चलाने पर मचा बवाल

रणबीर कपूर की फिल्म रामायण को लेकर दर्शकों के बीच काफी चर्चा है। फिल्म में साई पल्लवी सीता के किरदार में नजर आईं। हाल ही में फिल्म में सीता के योद्धा रूप और उनके तलवार चलाने वाले सीन को लेकर सोशल मीडिया पर बहस छिड़ गई थी। कुछ लोगों का कहना था कि वाल्मीकि रामायण में सीता माता के तलवार उठाने का कोई जिक्र नहीं है। अब फिल्म में माता कौशल्या का किरदार निभाने वाली एक्ट्रेस इंदिरा कृष्णन ने इस पर अपनी राय रखी है।

फिल्मीज्ञान को दिए इंटरव्यू के दौरान इंदिरा कृष्णन से पूछा गया कि फिल्म में सीता को बचपन में शास्त्र और तलवार चलाने की शिक्षा लेते हुए दिखाया गया है। इस पर एक्ट्रेस ने कहा कि मेकर्स नितेश तिवारी और नमित मल्होत्रा इस बात को लेकर बिल्कुल स्पष्ट थे कि वो किसी भी महिला किरदार को कमजोर नहीं दिखाना चाहते।

इंदिरा के मुताबिक, जिस राजवंश से सीता आती थीं, वहां खुद की और अपने राज्य की रक्षा करना सीखना जरूरी था। उन्होंने कहा- अगर वो उस राजवंश की थीं, तो वहां खुद को डिफेंड करना बहुत जरूरी था। एक्ट्रेस को सीता के योद्धा रूप को दिखाने वाला छोटा सा हिस्सा काफी अच्छा लगा।

उन्होंने आगे कहा कि आज भी हर महिला को अपनी रक्षा करना आना चाहिए। जिंदगी में कभी ऐसी स्थिति आ सकती है, जब उसे खुद के लिए खड़ा होना पड़े। इंदिरा कृष्णन के मुताबिक, कुछ मान्यताओं और संस्करणों में सीता को योद्धा के रूप में भी बताया गया है और उन्हें युद्ध कला सीखने वाली बताया गया है। इंदिरा कृष्णन ने सीता के किरदार को लेकर कहा कि उस दौर में राजघरानों में लड़का हो या लड़की, दोनों को अपनी और अपने राज्य की रक्षा करने की शिक्षा दी जाती थी। उनके मुताबिक, फिल्म में सीता को मीठे स्वभाव और मासूमियत के साथ-साथ मजबूत महिला के तौर पर दिखाया गया है। एक्ट्रेस ने कहा कि सीता बिल्कुल अबला नारी नहीं हैं। वो मासूम और प्यारी होने के साथ-साथ मजबूत भी हैं। इंदिरा को लगता है कि फिल्म में सीता का ये रूप ने उनपर अच्छा प्रभाव डाला।

ऋतिक रोशन ने कजिन पश्मीना पर लुटाया प्यार

फिल्म इश्क विश्क रिबाउंड से बॉलीवुड में कदम रखने वाली एक्ट्रेस पश्मीना रोशन 31 साल की हो गई हैं। उन्होंने 10 नवंबर को अपना बर्थडे सेलिब्रेट किया। इस खास मौके पर उनके कजिन और एक्टर ऋतिक रोशन ने बेहद खास अंदाज में उन्हें जन्मदिन की बधाई दी। इसके साथ ही उन्होंने पश्मीना पर खूब प्यार भी लुटाया।



ऋतिक रोशन ने हाल ही में अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर पश्मीना की कुछ अनदेखी और खूबसूरत तस्वीरें शेयर की हैं। इन तस्वीरों में कहीं पश्मीना अपने कजिन ऋतिक के साथ नजर आ रही हैं, तो कहीं दोस्तों और परिवार के साथ मस्ती करती दिख रही हैं। एक तस्वीर में ऋतिक की गर्लफ्रेंड सबा आजाद भी दिखाई दे रही हैं। इन तस्वीरों के साथ ऋतिक ने पश्मीना के लिए एक प्यारा और इमोशनल नोट भी लिखा है।

बता दें कि पश्मीना रोशन बॉलीवुड की उभरती हुई एक्ट्रेस हैं। उन्होंने साल 2024 में रोहित सराफ की फिल्म इश्क विश्क रिबाउंड से बॉलीवुड में डेब्यू किया है। वो बॉलीवुड के दिग्गज संगीतकार राजेश रोशन और कंचन रोशन की बेटी हैं। उन्होंने मुंबई के मशहूर जेफ गोल्डबर्ग स्टूडियो से एक्टिंग की ट्रेनिंग ली है। इसके अलावा, वो क्लासिकल डांस में भी माहिर हैं। उन्होंने कोरियोग्राफर सरोज खान से कथक और भरतनाट्यम सीखा है।

ऋतिक रोशन ने अपनी पोस्ट में पश्मीना को परिवार की जान और सबसे प्यारी रोशनी बताते हुए लिखा, हमारे परिवार की जान और प्यार, हमारी सबसे प्यारी रोशनी के नाम... आज हम तुम्हारे खूबसूरत अंदाज, तुम्हारी बेफिक्र मुस्कान और उस खास चमक का जश्न मना रहे हैं, जो हर मौके को और भी यादगार बना देती है। सच कहूं तो क्या हमारी जिंदगी के ऐसे कोई सबसे खुशनुमा पल रहे हैं, जिनमें तुम शामिल न रही हो?

उन्होंने आगे लिखा, मेरी प्यारी पाश, तुम दिल की बेहद साफ हो। तुम्हारा दिल ऐसा है, जिसे हमेशा संभालकर रखने का मन करता है और तुम्हारा जिंदादिल अंदाज हमेशा मुझे प्रेरित करता है। अपने अंदर की इस खूबसूरत चमक को कभी कम मत होने देना। यूं ही चमकती रहो, हमें हैरान करती रहो और हमेशा अपने असली अंदाज में रहो। उन्होंने लिखा, आगे बढ़ती रहो, हमारे परिवार की नन्ही जीनियस! हम तुमसे इतना प्यार करते हैं, जितना शायद तुम सोच भी नहीं सकतीं।



रोहित शेट्टी के नाम से वायरल हुआ फेक पोस्ट

कॉमेडियन गौरव गुप्ता हाल ही में बिग बॉस 20 के दिवाली स्पेशल एपिसोड में नजर आए थे। इस दौरान उन्होंने स्काउटओपी और लव गिल समेत कई कंटेस्टेंट्स पर मजाकिया अंदाज में तंज कसे। हालांकि, उनके कुछ जोक्स कंटेस्टेंट्स की निजी जिंदगी और रिश्तों से जुड़े थे, जो उन्हें पसंद नहीं आए। स्काउट और लव ने इन कमेंट्स पर आपत्ति जताई। इसके बाद रोहित शेट्टी के नाम से एक फेसबुक पोस्ट ऑनलाइन वायरल होने लगी।

इसमें कहा गया था कि लोगों को हंसाने के नाम पर किसी का अपमान या बेइज्जती नहीं करनी चाहिए। इस पोस्ट को गौरव की



परफॉर्मेंस पर रोहित की प्रतिक्रिया के तौर पर देखा जाने लगा। अब रोहित शेट्टी ने खुद सामने आकर इस पर सफाई दी है और फैंस को फर्जी सोशल मीडिया अकाउंट्स से सावधान रहने की सलाह दी है।

रोहित शेट्टी ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक पोस्ट शेयर कर बताया कि वो सिर्फ इंस्टाग्राम पर ही एक्टिव हैं। उन्होंने बताया कि फेसबुक और एक्स (ट्विटर) पर उनका कोई ऑफिशियल अकाउंट नहीं है। फिल्ममेकर ने फैंस से अपील की कि उनके नाम से चल रहे किसी भी फर्जी अकाउंट पर भरोसा न करें और न ही वहां शेयर किए जा रहे पोस्ट को उनका बयान समझें।रोहित ने अपने बयान में लिखा, मैं ये साफ करना चाहता हूं कि सोशल मीडिया पर मेरी एकमात्र आधिकारिक मौजूदगी इंस्टाग्राम पर है। मैं फेसबुक या एक्स पर नहीं हूं। इन प्लेटफॉर्म्स पर मेरे नाम से चल रहा कोई भी अकाउंट या प्रोफाइल फर्जी और बिना अनुमति के है।

फिर बड़े पर्दे पर धुंआधार वापसी करने आ रहे हैं इमरान हाशमी

आवारापन 2 के बाद इमरान हाशमी फिर से बड़े पर्दे पर धुआंधार एक्शन करने आ रहे हैं। उनकी आगामी फिल्म गनमास्टर जी9 का ट्रेलर जारी हो गया है।



आदित्य दत्त के निर्देशन में बनी गनमास्टर जी9 के टीजर और पोस्टर ने ही दर्शकों के बीच फिल्म के प्रति बेताबी बढ़ा दी थी। अब फिल्म का ट्रेलर आ गया है जिसने उत्सुकता डबल कर दी है। ट्रेलर में रोमांस, इमोशन और एक्शन कूट-कूटकर भरा है।

बुधवार को गनमास्टर जी9 का ट्रेलर जारी किया गया जिसकी शुरुआत इमरान हाशमी के दमदार डायलॉग और एक्शन से होती है। फिल्म में कड़क अंदाज में उन्होंने एक्शन से सबके पसीने छुड़ाए।

फिल्म में जेनेलिया देशमुख के साथ उनका रोमांस और अपारशक्ति खुराना के साथ उनकी दुश्मनी देखने लायक होती है। फिल्म में इश्क, एक्शन से ज्यादा डायलॉग्स दमदार हैं। ट्रेलर में अपारशक्ति का खतरनाक खलनायक अंदाज देखने को मिल रहा है। लोग उनकी जमकर तारीफ कर रहे हैं। एक्शन के साथ-साथ बैकग्राउंड में हिमेश रेशमिया का म्यूजिक भी दमदार लगता है। बात करें रिलीज डेट की तो आदित्य दत्त निर्देशित फिल्म 27 नवंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

विजय देवरकोंडा और रश्मिका मंदाना की आलोचना करने वालों पर भड़के करण जौहर

साउथ फिल्म इंडस्ट्री के पॉपुलर कपल में शुमार विजय देवरकोंडा और रश्मिका मंदाना को सोशल मीडिया पर जमकर अलोचनाओं का सामना करना पड़ा था। ये पावर कपल हाल ही में करण जौहर के शो कॉफी विद करण सीजन 9 में पहुंचा था। इस दौरान उन्होंने अपनी पर्सनल लाइफ पर कुछ ऐसा कह दिया था जिसे लेकर सोशल मीडिया यूजर्स ने उन्हें काफी भला-बुरा कहा था। अब करण जौहर ने दोनों का बचाव करते हुए उन्हें ट्रोल करने वालों की खिंचाई की है।

करण जौहर ने माना कि सभी को अपनी बात रखने का अधिकार है। लेकिन, किसी को रिश्ते में सलाह देना या उनके परिवार के बारे में गलत बोलना और नीचा दिखाना बिल्कुल ठीक नहीं है। करण ने THR इंडिया को दिए इंटरव्यू में कहा, अपनी बात रखने का सभी को हक है। लेकिन, मुझे इससे बहुत बड़ी दिक्कत है जब आप उन्हें ये बताने लगे कि किसी रिलेशप में क्या करना चाहिए? ये सब बताने वाले क्या आप कोई काउंसलर, वकील या उनके परिवार में से है? उनकी फैमिली पर कमेंट्स किए जा रहे हैं। उनके परिवार को नीचा मत दिखाइए। उस काउच पर उनका परिवार नहीं बैठा हुआ था। अक्टूबर में विजय और राशिका, करण के टॉक शो में पहुंचे थे। तब विजय ने बताया था कि एक बार एयरपोर्ट पर रश्मिका ने उनसे कहा था कि चलो शादी करते हैं। उस वक्त दोनों एक-दूसरे को डेट कर रहे थे। विजय ने करण से कहा था कि रश्मिका ने उसने करीब 100 बार शादी के लिए पूछा था। इस बातचीत को लेकर विजय और रश्मिका के रिश्ते पर नेटिजन्स ने काफी भला-बुरा कहा। इसके बाद नेटिजन्स को करारा जवाब देते हुए विजय और रश्मिका ने एक-दूसरे के लिए सोशल मीडिया पोस्ट करते हुए प्यार जाहिर किया था।



इंदौर में सफाई पर गरमाई सियासत

भागीरथपुरा पेयजल कांड से इंदौर की छवि बिगाड़ी

» कांग्रेस ने भाजपा को घेरा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

इंदौर। इंदौर के लगातार आठ साल तक स्वच्छता में देश में पहले स्थान पर रहने के बाद इस बार टॉप थ्री में भी जगह नहीं मिली है। इसको लेकर राजनीतिक गलियारे में बयानबाजी शुरू हो गई है। कांग्रेस ने इसके लिए महापौर पुष्यमित्र भार्गव और नगर निगम प्रशासन को जिम्मेदार ठहराया है। कांग्रेस नेताओं का आरोप है कि भाजपा की ट्रिपल इंजन सरकार के बावजूद शहर की स्वच्छता व्यवस्था प्रभावित हुई है। वहीं, महापौर ने कहा कि इंदौर सबसे अधिक अंक हासिल कर नंबर वन है और उसे जोड़ी शहरों की श्रेणी में दूसरा स्थान मिला है।

नेता प्रतिपक्ष सोनिला मिमरोट ने कहा कि इंदौर ने आठ वर्षों तक देश के सबसे स्वच्छ शहर का स्थान हासिल किया था। इस उपलब्धि के पीछे शहर के नागरिकों, सफाई मित्रों और नगर निगम कर्मचारियों की मेहनत थी।



इंदौर ने सबसे अधिक अंक हासिल किए : पुष्यमित्र भार्गव

महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने कहा कि इंदौर ने सबसे अधिक अंक हासिल किए हैं और उसे प्रेरणादायी शहर माना गया है। वन सिटी वन अवार्ड के तहत शहरों की जोड़ी की श्रेणी में इंदौर को दूसरा स्थान मिला है। उन्होंने कहा कि इंदौर की स्वच्छता यात्रा दूसरे शहरों को भी प्रेरित कर रही है।

उन्होंने आरोप लगाया कि महापौर और निगम प्रशासन इस पहचान को बनाए रखने के लिए जरूरी प्रयास नहीं कर सके। स्वच्छ सर्वेक्षण में इंदौर-देपालपुर की जोड़ी को दूसरा स्थान मिलने के बाद उन्होंने महापौर से शहर की स्वच्छता व्यवस्था को लेकर माफी मांगने की मांग की।

नगर निगम में भ्रष्टाचार सफाई मित्रों के हितों की अनदेखी : चिंटू चौकसे

इंदौर शहर कांग्रेस अध्यक्ष चिंटू चौकसे ने भी महापौर पुष्यमित्र भार्गव के कार्यकाल में शहर की स्वच्छता संबंधी पहचान प्रभावित होने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि जब भार्गव महापौर बने थे, तब इंदौर को देश में स्वच्छता के क्षेत्र में अलग पहचान हासिल थी। चौकसे ने नगर निगम में भ्रष्टाचार, सफाई मित्रों के हितों की अनदेखी और स्वच्छता व्यवस्था पर अधिकारियों का ध्यान कम होने के आरोप लगाए। चौकसे ने कहा कि प्रदेश में कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में स्वच्छता के क्षेत्र में बेहतर प्रदर्शन के लिए सफाई मित्रों को 10-10 हजार रुपए की प्रोत्साहन राशि दी गई थी। उनके मुताबिक, भाजपा सरकार और नगर निगम परिषद ने सफाई मित्रों को अब तक कोई प्रोत्साहन राशि नहीं दी है। उन्होंने सफाई मित्रों को स्थायी कर्मचारी बनाने की मांग का मुद्दा भी उठाया।

मुख्यमंत्री योगी की स्मार्ट पुलिसिंग में पोल ही पोल

» त्वरित कार्रवाई के दावों के बीच थानों की बदहाल व्यवस्था पर सवाल

» सर्वर डाउन होने से घंटों लटकी रहती है कार्रवाई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क



लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ प्रदेश में कानून-व्यवस्था को बेहतर बनाने, पुलिसिंग को आधुनिक करने और पीड़ितों को त्वरित न्याय दिलाने के लिए लगातार निर्देश देते रहे हैं। लेकिन थानों की जमीनी हकीकत इन दावों और निर्देशों पर सवाल खड़े कर रही है। कहीं सर्वर की समस्या तो कहीं बुनियादी संसाधनों का अभाव, आखिर इन हालात में पीड़ित को समय पर न्याय कैसे मिलेगा? किसी थाने में घटना घटित होने के बाद पुलिस दोनों पक्षों को बुलाकर मामले की जांच और पूछताछ करती है। लेकिन शिकायत दर्ज करने वाले सिस्टम का सर्वर ही काम न करे तो कार्रवाई में घंटों लग जाते हैं। सबसे गंभीर स्थिति तब होती है, जब पीड़ित खुद घायल हो और उसे तत्काल मेडिकल की जरूरत हो।

जरा उस पीड़ित की स्थिति सोचिए, जिस पर धारदार हथियार से हमला हुआ हो। शरीर पर चोटें हों, घाव से खून बह रहा हो और दर्द के कारण उसकी हालत खराब हो। इसके बावजूद वह थाने में घंटों खड़ा होकर इंतजार करता रहे। वजह यह कि पुलिस जिस ऑनलाइन सिस्टम के भरोसे कार्रवाई कर रही है, उसका सर्वर ही नहीं चल रहा। हैरानी की बात यह है कि मेडिकल कराने के लिए भी पुलिस के पास पर्याप्त परिवहन व्यवस्था उपलब्ध नहीं होती। ऐसे में घायल पीड़ित को मेडिकल के लिए ले जाने के वास्ते सड़क से ऑटो या ई-रिक्शा पकड़ना पड़ता है। सवाल यह है कि जब पुलिस के पास घायल को अस्पताल पहुंचाने तक की व्यवस्था नहीं है तो आपात स्थिति में पीड़ित की मदद कैसे होगी? पुलिसिंग केवल ऑनलाइन एफआईआर, पोर्टल और डिजिटल सिस्टम तक सीमित नहीं हो सकती। असली परीक्षा उस समय होती है, जब कोई पीड़ित दर्द में थाने पहुंचता है और उसे तत्काल मदद की जरूरत होती है।

राहुल के विदेश दौरों के पीछे क्या है रहस्य : रामकृपाल यादव

» भाजपा बोली- कभी तो पर्दा उठेगा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। बिहार सरकार के मंत्री रामकृपाल यादव ने लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के प्रस्तावित अमेरिका दौरे को लेकर निशाना साधा है. उन्होंने राहुल गांधी के बार-बार विदेश जाने पर सवाल उठाए। रामकृपाल यादव ने कहा कि राहुल गांधी देश में नहीं रहते हैं। वह हर दो-चार या छह महीने में विदेश दौरे पर चले जाते हैं। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि लोग पूछ रहे हैं कि विदेश जाने के पीछे क्या रहस्य है। दरअसल, राहुल गांधी का अमेरिका दौरा 16 से 19 नवंबर तक प्रस्तावित है. इस दौरान वह 17 नवंबर को न्यूयॉर्क की कोलंबिया यूनिवर्सिटी और 18 नवंबर को शिकागो यूनिवर्सिटी में कार्यक्रमों में शामिल होंगे। उनके दौरे की खबर सामने आने के बाद बीजेपी नेताओं की ओर से लगातार सवाल उठाए जा रहे हैं।



रामकृपाल ने राहुल के विदेश दौरों पर कहा, राहुल गांधी देश में थोड़ी रहते हैं? देश में तो रहते नहीं हैं. जब से राहुल गांधी नेता प्रतिपक्ष बने हैं या उससे पहले से भी, उनकी आदत है कि हर दो-चार या छह महीने के बाद विदेश दौरा करना। कोई नई बात नहीं है. वियतनाम जा रहे हैं, अमेरिका जा रहे हैं, कहीं जा रहे हैं। अब पता नहीं, लोग कहते हैं कि विदेश जाने का क्या रहस्य है? विदेश में ऐसी कौन-सी बात है, जिसके लिए आप बराबर जाते हैं? स्टडी करने जाते हैं? क्यों जाते हैं? लोग पूछ रहे हैं, मैं नहीं पूछ रहा हूं. लोगों की जुबान पर ये बातें आ रही हैं कि राहुल गांधी के विदेश जाने के पीछे कोई न कोई रहस्य है। कभी पर्दा उठ जाएगा।

किसानों का अपमान कर रहे जनार्दन

» अन्नदाताओं पर टिप्पणी से घिरे भाजपा सांसद

» धर्मेंद्र सिंह चौहान ने की निष्कासन और एफआईआर की मांग

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल । रीवा से भाजपा सांसद जनार्दन मिश्रा की किसानों पर की गई टिप्पणी को लेकर सियासी विवाद गहरा गया है। मध्यप्रदेश किसान कांग्रेस ने उनके बयान पर कड़ी नाराजगी जताते हुए पार्टी से बाहर करने और एफआईआर दर्ज कराने की मांग उठाई है। संगठन के प्रदेश अध्यक्ष धर्मेंद्र सिंह चौहान ने बुधवार को प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में कहा कि किसानों के लिए अपमानजनक भाषा का इस्तेमाल करने वाले जनप्रतिनिधि को पद पर बने रहने का अधिकार नहीं है। चौहान ने भाजपा की किसान हितैषी नीतियों और उसके सांसद के बयान पर सवाल खड़े किए।

उन्होंने कहा कि एक तरफ सरकार किसान सम्मान निधि और किसान कल्याण वर्ष के जरिए अन्नदाताओं के सम्मान की बात करती है, दूसरी तरफ पार्टी के सांसद किसानों की मेहनत और जीवनशैली पर आपत्तिजनक टिप्पणी कर रहे हैं। दरअसल, जनार्दन मिश्रा ने 9 नवंबर को मऊगंज जिले के रकरी गांव में गोवर्धन पूजा कार्यक्रम के दौरान किसानों को लेकर विवादित बयान दिया था। उन्होंने कहा था कि किसान साल में करीब तीन महीने ही खेतों में काम करते हैं, जबकि बाकी समय चिलम, गांजा और शराब के सेवन में बिताते हैं। इस टिप्पणी के सामने आने के बाद किसान कांग्रेस ने विरोध दर्ज कराया है। धर्मेंद्र सिंह चौहान ने कहा कि किसान तेज गर्मी और मुश्किल परिस्थितियों में खेतों में मेहनत करता है। रात के समय सांप-बिच्छुओं के खतरे के बीच सिंचाई के लिए खेतों तक पहुंचता है। ऐसे मेहनतकश वर्ग के बारे में इस तरह की टिप्पणी करना उनके परिश्रम का अपमान है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा नेताओं की ओर से पहले भी किसान आंदोलनों के दौरान किसानों को आतंकवादी और नक्सलवादी कहकर निशाना बनाया गया था।



शिवराज और मुख्यमंत्री से मांगा जवाब

किसान कांग्रेस अध्यक्ष ने केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से सवाल किया कि वे सांसद की टिप्पणी पर अपना रुख स्पष्ट क्यों नहीं कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि यदि भाजपा नेतृत्व इस बयान को गलत मानता है तो जनार्दन मिश्रा के खिलाफ कार्रवाई करते हुए उन्हें पार्टी से निष्कासित किया जाना चाहिए। साथ ही उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई भी होनी चाहिए। चौहान ने कहा कि कार्रवाई नहीं होने पर माना जाएगा कि पार्टी नेतृत्व भी सांसद की टिप्पणी से सहमत है।

मैंने सिद्धरमैया या किसी और का कभी बुरा नहीं चाहा : शिवकुमार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बेंगलुरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री डी. के. शिवकुमार ने राज्य की राजनीति में चल रही तमाम अटकलों पर विराम लगाते हुए स्पष्ट किया है कि मुख्यमंत्री के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान उनका मुख्य लक्ष्य आम लोगों के जीवन पर एक स्थायी और सकारात्मक प्रभाव छोड़ना है।

उन्होंने अपने पूर्ववर्ती सिद्धरमैया सहित कभी किसी का भी अहित या बुरा नहीं चाहा है। शिवकुमार ने अपने और सिद्धरमैया के बीच चल रही मतभेद की अटकलों के बीच स्पष्ट किया है कि उनका लक्ष्य अपने कार्यकाल के दौरान लोगों के जीवन पर स्थायी और सकारात्मक प्रभाव छोड़ना है। शिवकुमार ने बुधवार को शोधकर्ता रम्या की पुस्तक 'चलिसुवा बांडे' (द मूविंग रॉक) के विमोचन के अवसर पर कहा कि उन्होंने सिद्धरमैया के साथ काम किया है और उनका उन्हें या किसी अन्य को नुकसान पहुंचाने का कोई इरादा नहीं है।

सीरीज जीतने के इरादे से उतरेगा भारत

» श्रेयस अय्यर की कप्तानी में कल चौथा वनडे न्यूजीलैंड से खेलेगी भारतीय टीम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। भारत और न्यूजीलैंड का तीसरा वनडे मैच बारिश की भेंट चढ़ गया। इसके बावजूद तीन मैचों के बाद टीम इंडिया सीरीज में 2-0 से आगे है। यहां से सीरीज के दो ही परिणाम आ सकते हैं, भारत जीत सकता है या सीरीज 2-2 से ड्रॉ पर छूट सकती है। भारत-न्यूजीलैंड तीसरा वनडे मैच 10 नवंबर को हैमिल्टन के सेडोन पार्क पर खेला जाना था। मगर मुकाबले में एक भी गेंद नहीं फेंकी जा सकी और बिना किसी एक्शन के मैच को रद्द घोषित कर दिया गया।

जिसके चलते टीम इंडिया सीरीज 3-0 से अपने नाम करने से चूक गयी। अब सबकी नजरें सीरीज के चौथे वनडे पर होंगी, जिसमें भारत की जीत के साथ सीरीज का फैसला आ सकता है। मगर न्यूजीलैंड आसानी से हार नहीं मानेगा, जो जीत दर्ज कर सीरीज को ड्रॉ करवाने की रेस में बने रहना चाहेगा। भारत और न्यूजीलैंड का चौथा वनडे मैच 13 नवंबर को खेला जाएगा। यह मैच माउंट माउंगानुई स्थित बे ओवल मैदान पर खेला जाएगा। चौथे वनडे मैच के लिए टीम इंडिया का स्क्वाड बदल गया है। दरअसल 19 नवंबर से भारत और न्यूजीलैंड की टेस्ट सीरीज शुरू होगी, जिसकी तैयारी के लिए कप्तान शुभमन गिल सहित कुछ खिलाड़ी वनडे सीरीज से बाहर हो जाएंगे। चौथे और पांचवें वनडे में श्रेयस अय्यर टीम इंडिया की कप्तानी करते दिखेंगे। अंशुल कंबोज और केएल राहुल भी वनडे टीम का साथ छोड़कर टेस्ट सीरीज की तैयारियों में जुट जाएंगे। वहीं न्यूजीलैंड ने अपनी टीम में बदलाव किया है। तेज गेंदबाज ब्रेट रैंडेल को पहली बार न्यूजीलैंड की राष्ट्रीय टीम में जगह मिली है। उन्हें भारत के खिलाफ चौथे और पांचवें वनडे के लिए टीम में शामिल किया गया है। 31 वर्षीय रैंडेल दाएं हाथ के तेज गेंदबाज हैं। न्यूजीलैंड ने जोश क्लार्कसन को भी टीम में वापस बुलाया है। आखिरी दो वनडे के लिए न्यूजीलैंड के कोचिंग स्टाफ में भी बदलाव किया गया है। मिच रेनविक और स्ट्रेंथ एंड कंडीशनिंग कोच कोरी माइल्स, रॉब वाल्टर और मार्टिन गप्टिल के साथ टीम से जुड़ेंगे।



माउंट माउंगानुई में दमदार रहा है रोहित का रिकॉर्ड

रोहित शर्मा के लिए न्यूजीलैंड का माउंट माउंगानुई का मैदान बेहद खास रहा है। माउंट माउंगानुई के मैदान पर रोहित शर्मा का बल्ला जमकर बोलता रहा है। रोहित शर्मा ने ओवल के मैदान पर अब तक कुल दो वनडे मैच खेले हैं और दोनों ही मुकाबले साल 2019 के न्यूजीलैंड दौरे पर आए थे। इन दो पारियों में रोहित ने 74.50 के जबरदस्त औसत से कुल 149 रन बनाए हैं। इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट 86.12 का रहा है और उनके ये दोनों ही स्कोर (87 और 62) इस मैदान पर उनकी शानदार फॉर्म की गवाही देते हैं।

विपक्ष के वोटों में बंटवारा ही असली खेल

» उप्र-22 के विस चुनाव में बीजेपी को करीब मिले 41.29 प्रतिशत वोट

» समाजवादी पार्टी को 32.06 प्रतिशत वोट मिले

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क






लखनऊ। अब आते हैं उस सवाल पर जिसने इस गठबंधन को लेकर सबसे ज्यादा राजनीतिक चर्चा पैदा की है और वह सवाल यह है कि क्या भीम-मीम का मेल बीजेपी का खेल आसान कर देगा। उत्तर प्रदेश में 2022 के विधानसभा चुनाव में बीजेपी को करीब 41.29 प्रतिशत वोट मिले थे जबकि समाजवादी पार्टी को लगभग 32.06 प्रतिशत वोट मिले। बहुजन समाज पार्टी को 12.88 प्रतिशत और कांग्रेस को 2.33 प्रतिशत वोट मिले।

एआईएमआईएम को करीब 0.49 प्रतिशत और आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) को लगभग 0.13 प्रतिशत वोट मिले थे।इन आंकड़ों को जोड़ दे तों दोनों नए सहयोगियों का पिछला विधानसभा चुनावी वोट प्रतिशत जोड़ देने से कोई बड़ा चुनावी भूचाल नहीं बनता। लेकिन राजनीति में पुराना वोट प्रतिशत ही भविष्य की सीमा नहीं होता। गठबंधन अगर नए मतदाताओं को जोड़ता है स्थानीय उम्मीदवारों को मजबूत करता है और दलित-मुस्लिम मतदाताओं के बीच वास्तविक तालमेल बनाता है तो उसका प्रभाव पुराने आंकड़ों से बड़ा हो सकता है।



कई सीटों पर बीजेपी को अप्रत्यक्ष लाभ मिल सकता है

दूसरी तरफ अगर यह गठबंधन मुख्य विपक्षी दलों के वोटों में सेंध लगाता है और खुद जीतने की स्थिति में नहीं पहुंचता तो कई सीटों पर बीजेपी को अप्रत्यक्ष लाभ मिल सकता है। चुनाव में कई बार जीतने वाला ही नहीं मुकाबले में वोट काटने वाला भी नतीजे का निर्णायक किरदार बन जाता है। यही बीजेपी के लिए संभावित सियासी फायदा है। विपक्षी मतों का बंटवारा बीजेपी के लिए रास्ता आसान कर सकता है।

यूपी की सियासत में नई बहस

भीम-मीम का मेल किसका खेल बिगाड़ेगा यह अभी तय नहीं। लेकिन इतना जरूर है कि इस मेल ने यूपी की सियासत में नई बहस छेड़ दी है। अब देखना यह है कि वोटों की यह दोस्ती बूथ तक पहुंचती है या सिर्फ मंच और माइक तक रह जाती है। क्योंकि चुनाव में नारा नहीं नंबर बोलते हैं और नंबरों का खेल ही तय करेगा कि 2027 में किसकी बल्ले-बल्ले होगी और किसकी सियासी बत्ती गुल।

गठबंधन में दम कितना जमीन कितनी?

ओवैसी और चंद्रशेखर के सामने अब भाषणों से आगे बढ़कर संगठन खड़ा करने की चुनौती है। कितनी सीटों पर चुनाव लड़ेंगे? किसे टिकट देंगे? सीटों का बंटवारा किस आधार पर होगा? क्या दोनों दल एक-दूसरे के प्रत्याशियों के लिए पूरी ताकत से प्रचार करेंगे? क्या मुस्लिम मतदाता दलित नेतृत्व को और दलित मतदाता ओवैसी की राजनीति को स्वीकार करेंगे? क्या स्थानीय स्तर पर कार्यकर्ताओं का तालमेल बन पाएगा? फिलहाल इतना तय है कि 2027 की सियासी लड़ाई में एक नया मोर्चा मैदान में उतर रहा है। अखिलेश के पीडीए के सामने पीडीएम की चुनौती है बसपा के सामने दलित राजनीति में नई दावेदारी है और बीजेपी के सामने विपक्षी वोटों के बंटवारे से मिलने वाले संभावित लाभ के साथ एक नए सामाजिक गठबंधन की चुनौती भी है।

मेरी मां के बारे में झूठा बोला गया: प्रियंका

कांग्रेस सांसद बोलीं- वे अपने अधिकारों का इस्तेमाल कर रही हैं और जवाब दे रहीं हैं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने अपनी मां सोनिया गांधी की हालिया किताब पर अपनी पहली प्रतिक्रि या दी है। उन्होंने कहा कि अबतक उनके बारे में जिसके मन में जो आया कहते रहे, लेकिन वह शांत रहीं। अब उनकी मां ने जवाब देना शुरू किया है और यह उनका अधिकार है। सोनिया गांधी की तरह प्रियंका ने भी इसके लिए बीजेपी और आरएसएस पर बड़ा आरोप लगाया है।

कांग्रेस एमपी प्रियंका गांधी वाड्रा ने केरलम में गुरुवार को मीडिया के सवालों पर सोनिया गांधी की किताब के बारे में अपनी बात रखी है और कहा कि यह उनके भारत में बिताए उनके पूरे जीवन की व्याख्या है। उन्होंने खुशी जताई कि अब उन्होंने अपनी बातें रखना तय किया है। उनका आरोप है कि अभी तक उनके



खिलाफ कई तरह के आरोप लगाए गए, झूठा बोला गया, लेकिन उन्होंने जवाब देना ठीक नहीं समझा था, लेकिन अच्छी बात है कि अब वे अपने अधिकारों का इस्तेमाल कर रही हैं।भारत में मेरी मां के बिताए पूरे व्यस्क जीवन में बीजेपी, आरएसएस और कई और लोगों ने मेरी मां के बारे में जो चाहा वो कहा। उन्होंने झूठ बोला, कहानियां बनाईं और उनके बारे में कहानियां पैदा भी कीं, लेकिन वो चुप रहीं।

किताब में सच्चाई बताई

प्रियंका ने कहा है कि बिलॉन्गिंगएट जर्नी ऑफ लव उनकी मां की कहानी है, जिसमें उन्होंने अपने बारे बताया है, जो उनका अधिकार है। उनके अनुसार, बहुत समय से वे मेरी मां के बारे में झूठ बताते आए हैं और अब वो सच्चाई बयां कर रही है। मुझे खुशी है कि वे उनकी किताब पढ़ रहे हैं।

अरविंद केजरीवाल को जान से मारने की मिली धमकी

» सात करोड़ की फिरौती मांगी, एफआईआर दर्ज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क



नई दिल्ली। दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल को जान से मारने की धमकी मिलने का मामला सामने आया है. धमकी देने वाले ने खुद को लॉरेंस बिश्नोई गैंग का सदस्य बताते हुए 7 करोड़ रुपये की फिरौती मांगी है।

आरोपी ने पैसे नहीं देने पर केजरीवाल और उनकी बेटी हर्षिता केजरीवाल की हत्या करने की धमकी दी है। इस मामले में दिल्ली के तिलक नगर से आप विधायक जरनैल सिंह की शिकायत पर मोहाली के एसएएस नगर साइबर क्राइम थाने में एफआईआर दर्ज की गई है। 6 नवंबर 2026 को विधायक जरनैल सिंह के मोबाइल पर एक अज्ञात नंबर से फोन आया. इसके बाद उनके निजी नंबर पर भी धमकी भरा मैसेज भेजा गया. कॉल करने वाले ने खुद को लॉरेंस बिश्नोई गैंग का सदस्य बताया और अरविंद केजरीवाल को 7 करोड़ रुपये देने के लिए कहा। आरोपी ने अपने मैसेज में लिखा कि अगर 7 करोड़ रुपये नहीं दिए गए तो अरविंद केजरीवाल और उनकी बेटी को जान से मार दिया जाएगा. शिकायत में विधायक ने बताया कि आरोपी ने धमकी देने के लिए उनके जनप्रतिनिधि होने का फायदा उठाने की कोशिश की।

लद्दाख में प्रदर्शन व रैलियों पर रोक

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। लद्दाख में स्थानीय निकाय चुनावों से पहले धरना-प्रदर्शन और रैलियों पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। यह रोक आचार संहिता प्रभावी रहने के समय तक लागू रहेगी। अब लेह और कारगिल नगर पालिका सीमा के भीतर सभी प्रकार के राजनीतिक धरने, प्रदर्शन, भूख हड़ताल और रैलियों पर रोक रहेगी।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने इस संबंध में आदेश जारी कर दिया है। इस बीच, पर्यावरण कार्यकर्ता सोनम वांगचुक को लेह के एनडीएस पार्क स्थित धरना स्थल से हटाकर उनके आवास में ले जाया गया। पुलिस ने उन्हें चुनाव प्रक्रिया के मद्देनजर लागू निषेधाज्ञा के चलते घर पर ही रहने की सलाह दी है। आदेश में मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि धरना-प्रदर्शन जैसी गतिविधियों से मतदाताओं को प्रभावित या भयभीत किया जा सकता है।

घर में रखे सोने का हिसाब तो देना ही होगा

» गोल्ड रखने की छूट पर सुप्रीम कोर्ट का बड़ा आदेश

» आय से अधिक संपत्ति के मामले में आया फैसला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क



नई दिल्ली। सोने के लेकर सुप्रीम कोर्ट ने अहम टिप्पणी की है। कोर्ट ने कहा है कि सोना रखने की छूट के बावजूद आय का स्रोत बताना होगा। कोर्ट ने आय से अधिक संपत्ति मामले में ये कमेंट किया है। साथ ही पटना हाईकोर्ट का आदेश रद्द कर दिया है। जिसके बाद बिहार की महिला के खिलाफ भ्रष्टाचार का मुकदमा फिर चलेगा।

कोर्ट ने कहा कि सोना रखने की पात्रता और उसके स्रोत का हिसाब देना दोनों अलग-अलग बातें हैं। सुप्रीम कोर्ट ने आय से अधिक संपत्ति के मामले में एक अहम फैसला सुनाते हुए स्पष्ट किया है कि सोना रखने की निर्धारित सीमा के भीतर होने का मतलब ये नहीं है कि आरोपी को उसके स्रोत का हिसाब देने से छूट मिल जाएगी। कोर्ट ने कहा कि सोना रखने की अनुमति देने वाले सरकारी सर्कुलर और प्रेस रिलीज अपने आप में यह साबित नहीं करते कि संबंधित संपत्ति वैध आय से अर्जित की गई है।

सुप्रीम कोर्ट में जस्टिस केवी विश्वनाथन और जस्टिस अरुण पल्ली की बेंच ने 2 नवंबर को दिए फैसले में राज्य सरकार की दलील स्वीकार करते हुए कहा कि आय से अधिक संपत्ति के मामले में आरोपी को अपनी संपत्ति के संबंध में लगाए गए आरोपों का स्पष्टीकरण देना होता है। केवल कुछ सरकारी सर्कुलर और प्रेस रिलीज दिखा देना, जिनमें एक निश्चित मात्रा तक सोना रखने की अनुमति दी गई है, संबंधित संपत्ति के स्रोत का हिसाब देने के बराबर नहीं है।

रद्द किया पटना हाईकोर्ट का आदेश

जस्टिस केवी विश्वनाथन और जस्टिस अरुण पल्ली की पीठ ने बिहार सरकार की अपील स्वीकार करते हुए पटना हाईकोर्ट का आदेश रद्द कर दिया. हाईकोर्ट ने एक महिला के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति के मामले में निचली अदालत द्वारा लिए गए संज्ञान को निरस्त कर दिया था. मामले के मुताबिक, 11 मई 2015 को बिहार के निगरानी थाने में फूलपरी कुमारी और उनके पति के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति रखने के आरोप में एफआईआर दर्ज की गई थी7 जांच के बाद 29 जुलाई 2020 को केवल फूलपरी कुमारी के खिलाफ आरोपपत्र दाखिल किया गया. इसके बाद 28 जनवरी 2021 को पटना की विशेष निगरानी अदालत ने मामले में संज्ञान लिया. महिला ने पटना हाईकोर्ट में संज्ञान के आदेश को चुनौती दी थी. उनकी दलील थी कि आयकर विभाग के 11 मई 1994 के निर्देश और केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड की 1 दिसंबर 2016 की प्रेस रिलीज के मुताबिक- विवाहित महिला 500 ग्राम, अविवाहित महिला 250 ग्राम और पुरुष 100 ग्राम सोना अपने पास रख सकते हैं. महिला की ओर से दलील दी गई कि उनके पास निर्धारित सीमा से अधिक सोना नहीं था इसलिए उनके खिलाफ कार्रवाई नहीं की जा सकती।

महाराष्ट्र कार्यालय:- 4पीएम न्यूज़ नेटवर्क, 2-डी सिटी मॉल, अंधेरी वेस्ट, मुंबई, महाराष्ट्र - 400053। **विधि सलाहकार**: मोहम्मद हैदर
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी।
RNI-UPHIN/2015/62233, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website**: www.4pm.co.in |
समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।

स्वामी **4 पीएम** न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए
मुद्रक एवं प्रकाशक **संजय शर्मा**
द्वारा **आस्था प्रिंटर्स**, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित
पता 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। **संपादक- संजय शर्मा**